04 - अरबपति दानवीर भी बन जाएं तो कुछ बात बने

05 - महिला समानता दिवस और वर्तमान प्रश्न

A Daily News Magazine

भोपाल

मंगलवार, 3 सितम्बर , 2024

06 - शहर में अब बिना नाली के नहीं बनेगी एक भी सड़क

07- त्रिलोकीनाथ 'धारनाथ' के स्वागत में धर्मधरा धारानगरी का पोर- पोर...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-6 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

प्रसंगवश

शेख हसीना के मामले में भारत के सामने क्या हैं विकल्प?

शुभज्योति घोष

बीते महीने की पांच तारीख़ तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं शेख़ हसीना वहां से आने के बाद तीन सप्ताह से भी ज़्यादा समय से भारत में रह रही हैं। भारत सरकार ने बेहद गोपनीयता और कड़ी सुरक्षा के बीच उनके और उनकी छोटी बहन शेख़ रेहाना के रहने का इंतज़ाम तो ज़रूर किया है। लेकिन उसने अब तक औपचारिक रूप से यह नहीं बताया है कि इस मामले में उसका अंतिम फ़ैसला क्या होगा। इस बीच, बांग्लादेश सरकार ने बीते सप्ताह शेख़ हसीना का राजनयिक या सरकारी पासपोर्ट रद्द कर दिया है। इससे सवाल उठने लगा है कि अब भारत में उनके रहने का क़ानूनी आधार क्या है?

फ़िलहाल शेख़ हसीना के मुद्दे पर भारत के सामने तीन विकल्प या रास्ते खुले हैं। पहला विकल्प है, बांग्लादेश के पूर्व प्रधानमंत्री के लिए किसी तीसरे देश में शरण लेने की व्यवस्था करना। वह ऐसी जगह हो जहां उनके सुरक्षित रहने की गारंटी मिले। दूसरा विकल्प है, शेख हसीना को राजनीतिक शरण देकर तात्कालिक तौर पर यहीं उनके रहने की व्यवस्था कर दी जाए। तीसरे विकल्प का चयन शायद इस समय संभव नहीं हो। लेकिन भारतीय अधिकारियों और पर्यवेक्षकों का एक गुट मानता है कि कुछ दिनों बाद परिस्थिति में सुधार होने की स्थिति में भारत बांग्लादेश में शेख़ हसीना की राजनीतिक रूप से वापसी का भी प्रयास कर सकता है।

इसकी वजह यह है कि एक पार्टी या राजनीतिक ताक़त के तौर पर अवामी लीग अभी ख़त्म नहीं हुई है और अपने देश लौटकर हसीना पार्टी की कमान संभाल सकती हैं। राजनयिक हलकों और थिंक टैंक के कर्ता-धर्ताओं में इस बात को लेकर भी कोई संदेह नहीं है कि भारत के लिए पहला विकल्प ही सबसे बेहतर है। इसकी वजह यह है कि अगर शेख़ हसीना भारत में ही रह जाती हैं तो इसका दिल्ली-ढाका संबंधों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

इसके साथ ही यह भी तय है कि अगर भारत-बांग्लादेश प्रत्यर्पण संधि के तहत ढाका की ओर से शेख़ हसीना के प्रत्यर्पण का कोई अनुरोध मिलता है तो दिल्ली किसी न किसी दलील के आधार पर उसे ख़ारिज कर देगी। पर्यवेक्षकों का कहना है कि शेख़ हसीना को न्यायिक प्रक्रिया का सामना करने के लिए बांग्लादेश को सौंपना भारत के लिए कोई व्यावहारिक विकल्प नहीं है।

भारत के विदेश मंत्री विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बीती छह अगस्त को संसद में बांग्लादेश की परिस्थिति पर बयान के दौरान इस मुद्दे यानी हसीना के भारत आने का ज़िक्र करते हुए इसके लिए 'फार द मोमेंट' यानी फिलहाल शब्द का इस्तेमाल किया था। उसके बाद से सरकार की ओर से इस मामले में अब तक कोई टिप्पणी नहीं की गई है। इसकी वजह यह है कि अब भी शेख़ हसीना को सुरक्षित रूप से किसी तीसरे देश में भेजने का प्रयास जारी है। लेकिन अगर इसमें फौरी कामयाबी नहीं भी मिली तो भारत उनको राजनीतिक शरण देकर लंबे समय तक यहां रखने में नहीं हिचकेगा। विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी का कहना था, 'वी आर होपिंग फार द बेस्ट, प्रीपेयरिंग फॉर द वर्स्ट।' शेख़ हसीना के अमेरिका जाने के प्रस्ताव पर शुरुआत में ही बाधा खड़ी होने के बाद भारत ने संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और यूरोप के दो-एक छोटे देशों के साथ भी इस मुद्दे पर बात की थी। हालांकि इस मामले में अब तक किसी कामयाबी की जानकारी नहीं मिली है। पता चला है कि अब भारत शेख़ हसीना को शरण देने के मुद्दे पर मध्य पूर्व के एक अन्य प्रभावशाली देश क़तर के साथ भी बातचीत कर रहा है। इसके साथ ही यह बात भी सही है कि शेख़ हसीना ने अब तक ख़ुद लिखित रूप से अमेरिका या इन तमाम देशों में से किसी से राजनीतिक शरण के लिए आवेदन नहीं किया है। उनकी ओर से और उनकी मौखिक सहमति के आधार पर इस मुद्दे पर तमाम बातचीत भारत सरकार ही कर रही है।

अब सवाल उठता है कि अगर कोई तीसरा देश शेख़ हसीना को राजनीतिक शरण देने पर सहमत होता है तो वो दिल्ली से किस पासपोर्ट पर उस देश की यात्रा करेंगी? ढाका में भारत की पूर्व राजदूत रीवा गांगुली दास कहती हैं, 'यह कोई बड़ी समस्या नहीं है। बांग्लादेश सरकार ने अगर उनका पासपोर्ट रद्द कर दिया है तो वो भारत सरकार की ओर से जारी ट्रैवल डॉक्यूमेंट या परमिट के सहारे तीसरे देश की यात्रा कर सकती हैं। मिसाल के तौर पर ऐसे हज़ारों तिब्बती शरणार्थी यहां हैं, जिन्होंने कभी पासपोर्ट नहीं बनवाया है। ऐसे विदेशी लोगों के लिए भारत एक ट्रैवल डॉक्यूमेंट (टी.डी) जारी करता है। यह लोग उसी के सहारे पूरी दुनिया में घूमते रहते हैं।' दिल्ली से इस बात के भी संकेत मिले हैं कि बेहद ज़रूरी होने पर भारत शेख़ हसीना को राजनीतिक शरण देकर उनको इसी देश में रखने से भी नहीं हिचकेगा। लेकिन इस विकल्प को चुनने की स्थिति में दिल्ली को इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि भारत-बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंधों पर इसका क्या असर होगा।

भारत में भी कई विश्लेषकों का मानना है कि भारत अगर शेख़ हसीना को यहां राजनीतिक शरण देता है तो यह बांग्लादेश की नई सरकार के साथ संबंधों की मज़बूती में बाधा बन सकता है। भारत सरकार भी इस बात को अच्छी तरह समझती है। इसके बावजूद दीर्घकालिक मित्र शेख़ हसीना को संकट में अकेला छोड़ना उसके लिए किसी भी हालत में संभव नहीं है।

भारत के शीर्ष नीति निर्धारकों के एक ताकतवर गुट को अब भी भरोसा है कि बांग्लादेश की राजनीति में शेख़ हसीना की प्रासंगिकता या भूमिका अभी ख़त्म नहीं हुई है और उचित समय आने पर भारत के लिए उनके राजनीतिक पुनर्वास में मदद करना उचित होगा। ऐसे लोगों का कहना है कि अवामी लीग पर बांग्लादेश में कोई पाबंदी नहीं लगाई गई है और पूरे देश में उसका एक ताक़तवर नेटवर्क है। उस दल की सर्वोच्च नेता के तौर पर शेख़ हसीना आने वाले दिनों में बांग्लादेश लौट ही सकती हैं। अब सवाल उठ सकता है कि बिना किसी पासपोर्ट के शेख़ हसीना के भारत में रहने का वैध आधार क्या है? इस सवाल का जवाब जानने के लिए मैंने भारत के पूर्व राजनयिक पिनाक रंजन चक्रवर्ती से बात की। वो लंबे समय तक विदेश मंत्रालय में प्रोटोकॉल डिवीज़न के प्रमुख रह चुके हैं। उनका कहना है कि भारत में शेख हसीना का प्रवास तकनीक रूप से पूरी तरह वैध है।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

कुछ मूर्तियां कभी नहीं टूटतीं
वे रूप बदलती रहती हैं
वे अभिनय करती हैं, अपनी कहानी
सुनाते-सुनाते रो पड़ती हैं
उन्हें अंधेरी रातों में मंदिरों से
बाहर निकलते देखा गया
ढोल बजाते और तलवारें
लहराते देखा गया
दिन में कई बार कपड़े बदलते देखा गया
उन्हें अपनी नग्नता पर
कभी शर्म नहीं आयी
उन्होंने विदेश यात्राएं की
और भक्ति के इतिहास पर भाषण किये
उन्हें उनके रूप-रंग से, नाम से
कभी पहचाना नहीं जा सका
वे सिर्फ अपने झूठ से पहचानी गयीं

- सुभाष राय

आंध्र-तेलंगाना में बाढ़ से 19 की जान गई

देश में बारिश और बाढ़ का तांडव

● वैष्णो देवी के रास्ते में लैंडस्लाइड, 2 महिलाओं की मौत, एक जख्मी ● म.प्र. और गुजरात समेत 6 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बारिश का दौर जारी है। मध्य प्रदेश और गुजरात समेत 6 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। इस बीच जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मंदिर के नए मार्ग पर लैंडस्लाइड होने से 3 तीर्थयात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से 2 महिलाओं की मौत हो गई। उधर,आंध्र प्रदेश और तेलंगाना भारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बाढ़ और बारिश के चलते 2 दिनों में आंध्र में 9 और तेलंगाना में 10 लोगों की मौत हुई है। दोनों राज्यों में 140 ट्रेनें कैंसिल हुई हैं। उफनती नदियों के कारण निचले इलाकों में पानी भर गया है। आंध्र प्रदेश में 1998 के बाद ऐसी बाढ़ आई है। 17 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया है। खम्मम के 110 गांव पूरी तरह से पानी में डूबे हैं। हैदराबाद में आज स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है।

पीएम ने आंध्र व तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों से बात की

प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी से फोन पर बात कर राज्य के हालात की जानकारी ली। पीएम ने दोनों को केंद्र की ओर से हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया है।

- **बारिश ने राज्य को हिलाकर रख दिया है-** सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि भारी बारिश ने राज्य को हिलाकर रख दिया है। विजयवाड़ा और गुंटूर शहर पूरी तरह से जलमग्न हो गए हैं।
- **राजस्थान में बारिश ने 13 साल का रिकॉर्ड तोड़ा-** राजस्थान में मानसून ने अगस्त में नया रिकॉर्ड बना दिया है। अगस्त में 344एमए बरसात हुई, जो साल 2011 से 2023 तक सबसे ज्यादा है। इस साल इतनी बारिश अब तक किसी भी महीने में नहीं हुई।
- **15 राज्यों में भारी और 6 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट-** मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश-महाराष्ट्र सहित 15 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश और गुजरात समेत 6 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट है।
- **म.प्र. आज 5 जिलों में 8 इंच तक बारिश का अलर्ट** - मध्य प्रदेश में बारिश कराने वाला स्ट्रॉन्ग सिस्टम फिर एक्टिव हो गया है। सोमवार को भोपाल,बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खरगोन और देवास में बारिश जारी थी। आज अति भारी बारिश का अलर्ट है। यहां 24 घंटे में 8 इंच तक पानी गिर सकता है।

चढ़ाई पर पलटी ट्रैक्टर ट्रॉली, 4 लोगों की मौत

दमोह से दर्शन करने छतरपुर जा रहे थे ग्रामीण, 6 की हालत गंभीर

दमोह (नप्र)। दमोह में ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से चार लोगों की मौत हो गई जबकि 20 घायल हैं। हादसा जिले के फतेहपुर गांव के पास हुआ। दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि दो घायलों की इलाज के दौरान मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, पथरिया के घूघश गांव से ग्रामीणों का एक जत्था छतरपुर के बड़े जटाशंकर धाम दर्शन करने जा रहा था। फतेहपुर गांव के पास चढ़ाई पर ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से हटा अस्पताल पहुंचाया गया। 8

घायलों की हालत गंभीर होने की वजह से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मृतकों के परिजन और घायलों को आर्थिक मदद

दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर हादसे की जानकारी मिलते ही जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। बेहतर इलाज के निर्देश भी दिए। उन्होंने मृतकों के परिजन को 25-25 हजार और घायलों को 10-10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की। पशुपालन राज्यमंत्री लखन पटेल ने हादसे पर दुख जताया है।

मुख्यमंत्री ने भगवान महाकालेश्वर के दर्शन कर की पूजा-अर्चना

उज्जैन (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को सोमवती अमावस्या पर भगवान महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन किए और सपत्निक पूजा-अर्चना की। पूजा-अर्चना पं. राजेश गुरु ने सम्पन्न कराई। पूजन के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कलेक्टर एवं महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री नीरज कुमार सिंह ने शॉल और श्रीफल भेंट किया। मुख्यमंत्री ने महाकालेश्वर मंदिर परिसर में स्थित श्री वृद्धकालेश्वर (जूना महाकालेश्वर) मंदिर और श्री अनादिकल्पेश्वर मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री संजय अग्रवाल, संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता, आईजी श्री संतोष कुमार सिंह, डीआईजी श्री नवनीत भसीन, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जयति सिंह, प्रशासक महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति श्री गणेश कुमार धाकड़ एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

महाकाल की पालकी पर हेलिकॉप्टर से बरसाए फूल,6 स्वरूपों में प्रजा को दर्शन देने निकले - सावन-भादौ माह में भगवान महाकाल की शाही सवारी निकाली। भगवान महाकाल 6 स्वरूपों में प्रजा का हाल जानने निकले। इससे पहले सभा मंडप में कलेक्टर नीरज सिंह ने पूजन किया। कड़ाबीन ने पालकी के निकलते ही धमाका किया। पालकी पर हेलिकॉप्टर पर 150 किलो फूल बरसाए।

मुख्यमंत्री का श्री महाकाल मन्दिर के महानिर्वाणी अखाड़े के संत समाज ने स्वागत कर किया अभिनन्दन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को श्री महाकालेश्वर मन्दिर में पूजा-अर्चना की। पूजन-अर्चन के बाद महानिर्वाणी अखाड़े के संत समाज ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा उनकी धर्म-पत्नी श्रीमती सीमा यादव का स्वागत कर अभिनन्दन किया। मुख्यमंत्री को महानिर्वाणी अखाड़े के महंत श्री विनीत गिरि तथा संत समाज ने महाकाल भगवान की रजत जड़ित प्रतिकृति भेंट की। इस अवसर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक श्री सतीश मालवीय, श्री विशाल राजौरिया, श्री संजय अग्रवाल, श्री रवि सोलंकी तथा प्रशासनिक अधिकारीगण मौजूद थे।

नए अध्ययन में वैज्ञानिकों की चेतावनी

न संकेत न लक्षण

लोगों को बैठे-बिठाए हो रहा कैंसर

यूके/नईदिल्ली (एजेंसी)। एक नई स्टडी में सामने आया है कि लम्बे लोगों में कैंसर होने का खतरा ज़्यादा होता है। यह स्टडी 2 सितंबर, 2024 को प्रकाशित हुई है।

- **लम्बे लोगों को कैंसर का ज्यादा खतरा-** वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड ने कहा है कि इस बात के सबूत हैं कि लम्बे लोगों में अग्न्याशय, अंडाशय, प्रोस्टेट, गुर्दे, त्वचा (मेलेनोमा), ब्रेस्ट मेनोपॉज के पहले और बाद), बड़ी आंत और गर्भाशय (एंडोमेट्रियम) जैसे कैंसर होने की संभावना ज्यादा होती है। यूके मिलियन वीमेन स्टडी में पाया गया है कि जिन 17 तरह के कैंसर पर रिसर्च की गई, उनमें से 15 कैंसर लम्बे लोगों में ज्यादा पाए गए।

- **क्यों है इन्हें ज्यादा खतरा-** लम्बे लोगों में कैंसर होने की संभावना ज़्यादा होने का एक कारण यह है कि उनके शरीर में कोशिकाओं की संख्या ज़्यादा होती है। जैसे, एक लम्बे व्यक्ति की बड़ी आंत भी लम्बी होती है, जिसमें कोशिकाओं की संख्या ज़्यादा होती है और इससे उसे बड़ी आंत का कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है।
- **पुरुषों को कैंसर का ज्यादा खतरा-** कुछ शोधों के अनुसार, लम्बे लोगों में कोशिकाओं की संख्या ज़्यादा होने के कारण ही उन्हें कैंसर होने की आशंका ज्यादा होती है। यही कारण है कि पुरुषों में महिलाओं की तुलना में कैंसर होने की आशंका ज्यादा होती है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 36.3 °c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे
भोपाल ■ मंगलवार, 3 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

आईसी 814 सीरीज में आतंकियों के हिंदू नामों पर विवाद

इब्राहिम, शाहिद और शाकिर कैसे बन गए भोला, शंकर और बर्गर?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स कंटेंट हेड को तलब किया; कंटेंट पर जवाब मांगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। ओटीटी सीरीज आईसी 814 को लेकर जारी विवाद के बीच नेटफ्लिक्स की कंटेंट हेड मोनिका शेरगिल को सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने तलब किया है। मंत्रालय ने ओटीटी सीरीज के विवादास्पद पहलुओं पर नेटफ्लिक्स से स्पष्टीकरण मांगा है। नेटफ्लिक्स 2 सितंबर को मंत्रालय के सामने अपना पक्ष रखेगा। आईसी 814 29 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है जो कि कंधार विमान हाईजैक पर बेस्ड है।

इस विमान को हाईजैक करने वाले आंतकियों के नाम इब्राहिम अख्तर, शाहिद अख्तर, सन्नी अहमद, जहूर मिस्त्री और शाकिर थे लेकिन वेबसीरीज में उनके नाम बदल दिए गए हैं। इनमें आतंकियों के हिंदू नाम भोला और शंकर रखे गए हैं जिससे विवाद हो गया है। वेबसीरीज रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर इसे बॉयकॉट करने की मांग उठ रही है।

सीरीज की कहानी क्या है?

इस सीरीज की कहानी 24 दिसंबर 1999 की सत्य घटना पर आधारित है। जब पांच आतंकियों ने इंडियन एयरलाइंस के विमान आईसी 814 को काठमांडू के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरते वक्त हाईजैक कर लिया था। जिसमें 176 यात्री सफर कर रहे थे।

भाजपा ने जताई थी आपत्ति

सीरीज रिलीज होने के बाद पिछले दिनों भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने इसके कंटेंट पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सीरीज के डायरेक्टर अनुभव सिन्हा को आड़े हाथों लिया था। उन्होंने कहा था कि अनुभव ने गलत काम को छिपाने के लिए वामपंथियों के एजेंडे का सहारा लिया। आईसी-814 के हाईजैकर्स खूंखार आतंकी थे। उन्होंने अपनी मुस्लिम पहचान छिपाने के लिए काल्पनिक नाम अपनाए थे।

नितेश कुमार ने बैडमिंटन में जीता स्वर्ण

- भारत को दिलाया नौवां पदक, बेथेल को हराया

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस पैरालिंपिक में भारत ने दूसरा गोल्ड मेडल जीत लिया है। बैडमिंटन मेंस सिंगल्स की एसएल3 कैटेगरी में नितेश कुमार ने फाइनल जीता। उन्होंने ग्रेट ब्रिटेन के डैनियल बेथेल को 21-14, 18-21, 23-21 से हराया। उनसे पहले डिस्कस थ्रो में योगेश कथुनिया ने सिल्वर मेडल जीता था। पैरालिंपिक में भारत अब तक 2 गोल्ड, 3 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज जीत चुका है।

पूर्व मंत्री बबली भाजपा में शामिल, कांग्रेस ने टिकट नहीं दी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली ने भाजपा जॉइन कर ली है। दिल्ली में प्रदेश चुनाव सह प्रभारी बिप्लब देब ने उन्हें शामिल कराया। उनके साथ जेल अधीक्षक पद से इस्तीफा देने वाले सुनील सांगवान और जजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष संजय कबलाना भी भाजपा में शामिल हो गए। बबली ने रविवार रात को

जेजेपी से इस्तीफा दे दिया। पहले उनके कांग्रेस में जाने की चर्चा थी, लेकिन कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया ने कहा था कि देवेंद्र बबली ने उनसे मुलाकात की थी, लेकिन उन्हें टिकट के लिए मना कर दिया गया है। बबली लगातार कहते रहे हैं कि मई महीने में हुए लोकसभा चुनाव में उन्होंने सिरसा से जीती कांग्रेस की कुमारी सैलजा की मदद की थी। वहीं सरपंच एसोसिएशन ने भी बबली को कांग्रेस में शामिल करने पर विरोध की चेतावनी दी थी। जॉइनिंग के बाद देवेंद्र बबली ने कहा, मैं अपने आप को बहुत सौभाग्यशाली समझता हूं कि मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम करने का मौका मिलेगा।

सेबी चीफ पर 3 जगह से लाभ लेने का आरोप

कांग्रेस बोली-

- बोर्ड में रहते हुए आईसीआईसीआई से 16.80 करोड़ सैलरी ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) की चीफ माधवी पुरी बुच कांग्रेस के निशाने पर हैं। कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने

सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर माधवी पर सेबी से जुड़े होने के दौरान आईसीआईसीआई बैंक समेत 3 जगहों से सैलरी लेने का आरोप लगाया। खेड़ा ने कहा- माधबी पुरी बुच 5 अप्रैल, 2017 से 4 अक्टूबर, 2021 तक सेबी में पूर्णकालिक सदस्य थीं। फिर 2 मार्च, 2022 को माधबी पुरी बुच सेबी की चेयरपर्सन बनीं। सेबी की चेयरपर्सन को नियुक्त करने वाली कैबिनेट में पीएम मोदी और अमित शाह शामिल हैं।

- सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल के पीए बिभव को जमानत दी, कहा-

100 दिन से कस्टडी में हैं, चार्जशीट दाखिल है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार को जमानत दे दी है। बिभव राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पर हमले के आरोप में जेल में थे। जमानत देते हुए कोर्ट ने कहा कि कुमार 100 दिन से हिरासत में हैं और मामले में चार्जशीट

पहले ही दायर की जा चुकी है। इसलिए उन्हें जमानत देने में कोई हर्ज नहीं है। साथ ही कोर्ट ने यह निर्देश भी दिया कि बिभव को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पर्सनल असिस्टेंट के पद पर बहाल नहीं किया जाएगा और मुख्यमंत्री आवास पर कोई आधिकारिक काम भी नहीं सौंपा जाएगा। बिभव कुमार पर 13 मई को सीएम आवास पर पीएम सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट का आरोप है। उन्हें 18 मई को गिरफ्तार किया गया था।

आरएसएस ने कहा-

बांग्लादेश से बात करे भारत सरकार

- 'हिंदुओं-अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बेहद संवेदनशील मुद्दा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के साथ हुए अत्याचार को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने चिंता जताई है। केरल में हुए आरएसएस के तीन दिवसीय समन्वय सम्मेलन के दौरान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भारत सरकार को बांग्लादेश सरकार से बात करनी चाहिए। यह बहुत संवेदनशील मुद्दा है।

जातिगत जनगणना को लेकर सुनील आंबेकर ने कहा कि हमारे देश और समाज में जाति और जातिगत संबंध संवेदनशील मुद्दा है। यह राष्ट्र की अखंडता और एकता के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए इसे गंभीरता से निपटाया जाना चाहिए और इस पर चुनाव और राजनीति नहीं होनी चाहिए। पिछड़े हुए और विशेष ध्यान देने की जरूरत वाले समुदाय और जाति के लिए कल्याणकारी योजनाएं लागू करने की जरूरत होती है तो सरकार को संख्या की आवश्यकता होती है। सरकार जातिगत जनगणना से आंकड़े ले सकती है।

आंबेकर ने कहा कि पहले भी सरकार ने ऐसा किया है। इसमें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन संख्याओं का उपयोग केवल जातियों और समुदायों के कल्याण के लिए ही किया जाना चाहिए।

जाति जनगणना पर आ गया सुप्रीम कोर्ट का फैसला

कहा- यह नीतिगत मामला; अब गेंद केंद्र सरकार के पाले में

उच्चतम न्यायालय ने कहा- हम हस्तक्षेप नहीं कर सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। जातिगत गणना मामले में हस्तक्षेप करने से सुप्रीम कोर्ट ने इंकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह मामला सरकार के दायरे में आता है और नीतिगत मामला है। सुप्रीम कोर्ट ने सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना कराने की मांग करने वाली याचिका पर विचार करने से मना कर दिया। इसके बाद याचिकाकर्ता ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी।

पी. प्रसाद नायडू ने वरिष्ठ अधिवक्ता रविशंकर जंडियाला और अधिवक्ता श्रवण कुमार करनम के माध्यम से उच्चतम न्यायालय में याचिका दाखिल कर जाति जनगणना कराने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की थी। सोमवार को न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने सुनवाई की।

कोर्ट ने कहा- इस बारे में क्या किया जा सकता?

अदालत ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ताओं से कहा, इस बारे में क्या किया जा सकता है? यह मुद्दा शासन के दायरे में आता है। यह नीतिगत मामला है। अधिवक्ता रविशंकर जंडियाला ने तर्क दिया कि कई देशों ने ऐसा किया है, लेकिन भारत ने अभी तक ऐसा नहीं किया है। उन्होंने कहा, 1992 के इंद्रा साहनी फैसले में कहा गया है कि यह जनगणना समय-समय पर की जानी चाहिए।

हम हस्तक्षेप नहीं कर सकते- सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि वह याचिका खारिज कर रही है, क्योंकि अदालत इस मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकती। अदालत के मूड को भांपते हुए वकील ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे पीठ ने स्वीकार कर लिया। नायडू ने अपनी याचिका में कहा था कि केंद्र और उसकी एजेंसियां 2021 की जनगणना को बार बार स्थगित कर रही हैं।

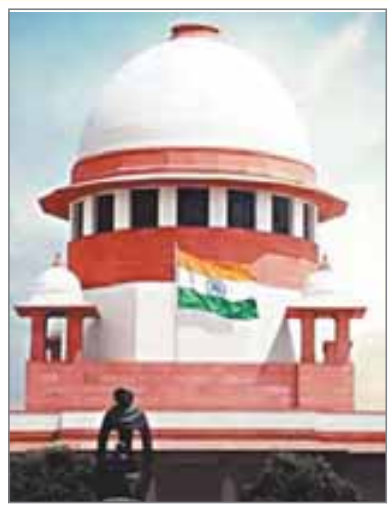

याचिका में बताया क्यों जरूरी है जाति जनगणना

याचिका में कहा गाय कि सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना वंचित समूहों की पहचान करने, समान संसाधन वितरण सुनिश्चित करने और लक्षित नीतियों के कार्यान्वयन की निगरानी करने में मदद करेगी। 1931 का अंतिम जाति-वार डेटा पुराना हो चुका है।

- बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट गाइडलाइन जारी करेगा, कहा-

सिर्फ आरोपी होने पर किसी का घर नहीं गिरा सकते, दोषी हो तब भी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को देशभर में आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई सिर्फ आरोपी है तो प्रॉपर्टी गिराने की कार्रवाई कैसे की जा सकती है? जस्टिस विश्वनाथन और

जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने कहा, 'अगर कोई दोषी भी हो, तब भी ऐसी कार्रवाई नहीं की जा सकती है।'

सुप्रीम कोर्ट जमीयत-उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर सुनवाई कर रही है। इसमें आरोप लगाया गया है कि भाजपा शासित राज्यों में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है और बुलडोजर एक्शन लिया जा रहा है। अब इस केस की सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

बुलडोजर एक्शन पर कोर्ट के कमेंट - हम यहां अवैध अतिक्रमण के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। इस मामले से जुड़ी पार्टियां सुझाव दें। हम पूरे देश के लिए गाइडलाइन जारी कर सकते हैं।

किसी का बेटा आरोपी हो सकता है, लेकिन इस आधार पर पिता का घर गिरा देना! यह कार्रवाई का सही तरीका नहीं है।

केंद्र ने कहा किसी भी आरोपी की प्रॉपर्टी इसलिए नहीं गिराई गई क्योंकि उसने अपराध किया।

भाजपा के सदस्यता अभियान में पीएम मोदी ने सुनाया पुराना किस्सा

'एक पैर रेल में होता है और दूसरा जेल में'

- पीएम मोदी ने की भाजपा के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान की शुरूआत। ● कहा - लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का पालन करने वाली भाजपा एकमात्र पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार (2 सितंबर) को 'संगठन पर्व, सदस्यता अभियान 2024' लॉन्च किया। इस मौके पर सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी की सदस्यता ली।

इसके बाद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के बड़े नेताओं ने फिर से पार्टी की सदस्यता ली।

पीएम मोदी ने कहा कि आज भाजपा का सदस्यता अभियान का एक और दौर शुरू हो रहा है। भारतीय जनसंघ से अब तक हमने देश में एक नई राजनीतिक संस्कृति लाने की कोशिश की है। हम वो लोग हैं जिन्होंने दीवारों पर कमल भी बड़ी श्रद्धा से पेंट किया। हमें विश्वास था दीवारों पर पेंट किया हुआ कमल कभी न कभी दिलों पर भी पेंट हो जाएगा। पीएम ने आगे कहा कि भाजपा और इससे पहले जनसंघ के कार्यकर्ताओं को लेकर कहा जाता था कि इनका एक पैर रेल में रहता है और दूसरा जेल में। रेल में क्योंकि कार्यकर्ता लगातार भ्रमण किया करते थे।

- **शाह बोले- भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी-** गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमारी पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी तो है ही, साथ ही सभी राजनीतिक दलों में एक प्रकार से अनूठी पार्टी है।
- **नड्डा बोले- पीएम मोदी ने हमेशा संगठन को सबसे आगे रखा-** कार्यक्रम में जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री देश का प्रधानसेवक होने के नाते, 140 करोड़ देशवासियों के नेतृत्व करने के नाते प्रशासन की बारीकियों में दिन-रात व्यस्त रहते हैं।
- **रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले- हमारी पार्टी कथनी-करनी में फर्क नहीं करती-** राजनाथ सिंह ने कहा कि नेताओं की कथनी और करनी में फर्क होने की वजह से देश की राजनीति और नेताओं के ऊपर जनता का भरोसा कम हुआ है।

मोदी कैबिनेट ने किसानों को दी 7 सौगात

कुल 20,817 करोड़ रुपये के निवेश के साथ, डिजिटल कृषि मिशन स्थापित करने की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी कैबिनेट ने सोमवार को किसानों के लिए बड़ी घोषणा करते हुए 13,966 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली सात योजनाओं को मंजूरी दी। सरकार ने कहा कि किसानों के जीवन को बेहतर बनाने और उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से यह फैसले लिए गए हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बैठक में कृषि से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देने और देश भर में खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए सात महत्वपूर्ण निर्णयों को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सरकार के इस फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि ये उपाय कृषि क्षेत्र को समर्थन देने, सतत विकास को बढ़ावा देने और सभी नागरिकों के लिए भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

संकल्प हो हमारा इंसान हम बनेंगे

भोपाल। भारत के संविधान के 75वें वर्ष में देश के विभिन्न राज्यों और स्थानों में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार को संविधान उत्सव का आयोजन दुष्यंत कुमार संग्रहालय में किया गया। इस आयोजन में संवैधानिक मूल्यों पर केंद्रित रचनात्मक अभिव्यक्तियों का प्रदर्शन किया गया।

जिन लोगों ने गीत और संगीत के माध्यम से प्रस्तुति दी उनमें पद्मश्री कालूराम बामनिया, पद्मश्री बाबूलाल दाहिया, अली अब्बास उम्मीद, उपासना बेहर, तारासिंह डोडवे, सीमा बजाज, रीतेश गोहिया, रवि राठौर आदि शामिल हैं।

कार्यक्रम के आरंभ में नेशनल फाउंडेशन फॉर इंडिया के सत्येन्द्र पाण्डेय ने सभी का स्वागत किया और देश भर में संचालित किए जा रहे अभियान 'संविधान से हम' के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में उपासना बेहार ने बाल कहानियों का वाचन किया। पद्मश्री बाबूलाल दाहिया ने बघेली में कविताओं और दोहों को सुनाया। वरिष्ठ साहित्यकार अली अब्बास उम्मीद ने मानवीय मूल्यों पर केंद्रित अपनी गजलें सुनाई। तत्संग बैंड के कलाकारों ने कबीर के भजन पेश किए। तारासिंह जी ने संविधान पर केंद्रित स्वरचित गीत मालवी गीत पेश किए। समतर बैंड के कलाकारों ने 'संविधान हम बनाते हैं' और 'हर दिल में संविधान' गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में पद्मश्री कालूराम बामनिया ने मालवी शैली में कबीर गीतों की प्रस्तुति कर श्रोताओं का मन मोह लिया। नेशनल फाउंडेशन फॉर इंडिया के इप्सा सारंगी, महताब आलम और राधिका रल्हान ने कलाकारों का सम्मान किया। विकास संवाद के साथी राकेश कुमार मालवीय ने आभार व्यक्त किया। यह आयोजन विकास संवाद समिति, नेशनल फाउंडेशन फॉर इंडिया और शेडो संस्था, टिमरनी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

भेल में सेहत से सफलता अभियान

भोपाल। किसी भी व्यक्ति के जीवन में सेहत ही है संपदा। अच्छे स्वास्थ्य से ही मिलती है सफलता। कहा भी गया है कि पहला सुख निरोगी काया। पर रोज की व्यस्तता, आपाधापी एवं भागा दौड़ी के बीच आदमी इसकी उपेक्षा कर देता है। सो सुखद स्वास्थ्य की आवश्यकता एवं नियम पालन पर भेलकर्मी समुदाय की जागृति हेतु

कस्तूरबा हॉस्पिटल प्रमुख द्वारा 'स्वस्थ आयु' विषय पर सार्थक संवाद का आयोजन किया गया। यह कदम केवल चिकित्सा से एक कदम आगे बढ़कर लोगों की नियमित जीवनचर्या यापन हेतु अग्रगामी अभियान है, जिसकी अध्यक्षता विभाग प्रमुख डॉ. अल्पना तिवारी द्वारा की गई एवं मुख्य व्याख्यान के अन्तर्गत डॉ. दीपमलिका द्वारा विस्तृत जानकारी साझा की गई। इस अवसर पर एक लघु नाटिका की प्रस्तुति भी डॉ. हिमांशु, डॉ. शैल एवं डॉ. मानसी द्वारा की गई। प्रथम बार आयोजित कस्तूरबा हॉस्पिटल के अभिनव प्रयास की प्रशंसा की गई।

शिवराज की घोषणा को साल भर बीता

नाराज अतिथि शिक्षक एमपी में निकाल रहे रैलियां, दिग्गी ने मोहन यादव का 6 साल पुराना लेटर किया ट्वीट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में लंबे समय से नियमितीकरण की मांग कर रहे अतिथि शिक्षक एक बार फिर से आंदोलित नजर आ रहे हैं। एक साल पहले 3 सितंबर 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में अतिथि शिक्षक पंचायत में अतिथि शिक्षकों के नियमितीकरण का ऐलान किया था।

वादा पूरा नहीं होने पर सोमवार को अतिथि शिक्षक मप्र में रैलियां निकाल रहे हैं। वहीं, 5 सितंबर को भोपाल में करीब 70 हजार अतिथि शिक्षक तिरंगा यात्रा निकालेंगे। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 6 साल पहले अतिथि शिक्षकों के समर्थन में तत्कालीन मुख्यमंत्री को लिखा गया पत्र एक्स पर शेयर करते हुए गेस्ट टीचर्स को नियमित करने की मांग की है।

दिग्गी ने एक्स पर शेयर किया लेटर- दिग्विजय सिंह ने डॉ. मोहन यादव द्वारा लिखे गए पत्र को शेयर किया है। लिखा- डॉ. मोहन यादव जब आप विधायक थे, तब आप अतिथि शिक्षकों के पक्ष में सीएम को पत्र लिखते थे। अब प्रभु कृपा से आप खुद सीएम है, तो अतिथि शिक्षकों का अनुभव व योग्यता के आधार पर नियमित करने की कृपा करें।

खरगोन में निर्माणाधीन मंदिर गिरा, एक मजदूर की मौत, चार घायल

खरगोन (नप्र)। मोगरगांव में मंगलवार को निर्माणाधीन मंदिर बारिश के कारण गिर गया। मंदिर की छत और दीवार गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि चार अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। बिस्टान थाना क्षेत्र के मोगरगांव में सिगाजी महाराज मंदिर का

निर्माण कार्य चल रहा था, भारी बारिश के कारण यह हादसा हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और घायलों को स्थानीय ग्रामीणों की मदद से जिला अस्पताल रवाना किया। अस्पताल में घायलों का इलाज जारी है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा था प्रशासन ने इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं और मृतक के परिवार को सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

भोपाल में सड़क के गड्ढों में चली नाव

ऐशबाग इलाके में 'कागज की नाव' चलाकर प्रदर्शन; नारेबाजी भी की

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ऐशबाग इलाके की जर्जर सड़क को लेकर लोगों ने अनोखे ढंग से विरोध प्रदर्शन किया। सोमवार को वे बरसते पानी में सड़क के गड्ढे पर पहुंचे और उसमें भरे पानी में 'कागज की नाव' चलाई। इस दौरान उन्होंने जमकर नारेबाजी भी की।

बारिश के चलते राजधानी की सड़कों के हाल बुरे हैं। कई इलाकों में गड्ढों में सड़कें ढूंढना पड़ रही हैं। सबसे ज्यादा निगम की सड़क खस्ताहाल है। नगर निगम की करीब 4 हजार किलोमीटर लंबी सड़कें हैं। एमपी नगर, होशंगाबाद रोड, बांसखेड़ी, दानिशकुंज, बीडीए, अवधपुरी, दानिश चौराहा, मंदाकिनी समेत कई प्रमुख सड़कें ऐसी हैं, जहां से हर रोज लाखों लोग गुजरते हैं। बावजूद सड़कों की हालत नहीं सुधारी गई है। यही कारण है कि अब लोगों का गुस्सा फूट रहा है। सोमवार को ऐशबाग इलाके में प्रदर्शन किया गया।

3 वार्ड में आती है सड़क, फिर भी सुधारी नहीं जा रही- ऐशबाग स्टेडियम की मुख्य सड़क की हालत काफी जर्जर है। इसके चलते सोमवार को कांग्रेस नेता शावर खान के नेतृत्व में कई लोगों ने प्रदर्शन किया। ऐशबाग स्टेडियम की मुख्य सड़क कैपिटल पेट्रोल पंप के

पास निकलती है। वहीं, यह 3 वार्ड- 39, 40 और 41 के क्षेत्र में आती है। उखड़ी सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं। जिनके ऊपर से गुजरना मुश्किल हो गया है। लोगों ने करीब एक घंटे तक प्रदर्शन किया।

कांग्रेस नेता खान ने बताया, कई साल से सड़क उखड़ी हुई हैं, लेकिन नगर निगम उसकी कोई सुध नहीं ले रहा है। महापौर मालती राय समेत अन्य जनप्रतिनिधि सड़क निर्माण एवं मरम्मत का कार्य नहीं करावा रहे हैं। उनकी अनदेखी के चलते स्थानीय रहवासियों को काफी परेशानी हो रही है।

अन्य सड़कें भी जर्जर- खान ने बताया, यह सड़क ऐशबाग से बाग फरहत अफजा होते पुल बोगदा की ओर निकलती हैं, जो कि मुख्य सड़क है। यह कई साल से खस्ताहाल में है। कई बार शिकायत करने के बावजूद सड़क निर्माण नहीं किया जा रहा। इसके अलावा भी कई सड़कें जर्जर हालत है। हर रोज हजारों लोग परेशान हो रहे हैं। प्रदर्शन में शामिल शाहवेज बिट्टू, सलमान मिर्जा, पप्पू भाई, नजीर खान,आसिफ खान, मुन्ने खान, अंकित साहू, संतोष साक्य, मोहन खटीक, बादशाह भाई आदि मौजूद थे।

अनुसूचित जाति के पुराने छात्रावासों को डिस्मेंटल करके नये भवन बनाये जाने के प्रस्ताव तैयार करें : मंत्री श्री चौहान

भोपाल (नप्र)। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने मंत्रालय में अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि अनुसूचित जाति के पुराने छात्रावासों को डिस्मेंटल कर नये भवन बनाये जाने के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये, जिससे कोई छात्रावास में घटना निर्मित न हो। मंत्री श्री चौहान ने कहा कि छात्रावासों में सुविधाएं बढ़ाई जाएं, जिससे पालकों को अपने बच्चों को छात्रावासों में भेजने में विश्वास जागृत हो। छात्रावास सुविधा सम्पन्न होंगे, उससे बच्चों को पढ़ाई में मन लगेगा। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी संभागीय अधिकारी समय-समय पर छात्रावासों का निरीक्षण करें और उसके संबंध में मुझे जानकारी दें।

अनुसूचित जाति मंत्री श्री चौहान ने कहा कि सभी छात्रावासों में नवाचार के रूप में टेलीफोन लगाये जायें, जिससे छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थी अपने पालकों से समय-समय पर बातचीत कर सकें। मंत्री श्री चौहान ने अनुसूचित जाति विभाग के विकास संबंधी योजनाएं जैसे छात्रावास संचालन, छात्रवृत्ति प्रदाय, शिक्षा के लिये प्रोत्साहन, अनुदान योजनाएं, प्रशिक्षण एवं स्व-रोजगार, अधोसंरचना विकास और अस्पृश्यता निवारण और अनुसूचित जाति व जनजाति के अधिकारों का संरक्षण की समीक्षा की।

मंत्री श्री नागर ने पोस्ट मेट्रिक महाविद्यालयीन छात्रवृत्ति, पोस्ट मेट्रिक कक्षा 11वीं व 12वीं छात्रवृत्ति की स्थिति की संभागवार जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति के संबंध में बजट प्रावधान बढ़ाया जाये। मंत्री श्री नागर ने आवास सहायता योजना में छात्रों को गृह निवास से बाहर महाविद्यालयीन स्तर पर नियमित विद्यार्थियों को आवास सहायता राशि नियमानुसार समय-सीमा में उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय में इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में परीक्षा परिणाम प्रतिशत कम पाये जाने पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इसके लिये ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय के प्रिंसिपलों की बैठक बुलाई जाए और उनसे इस बारे में जानकारी ली जाए।

मंत्री श्री चौहान ने अशासकीय अनुदान प्राप्त संस्थाओं में अनुदान की राशि स्वीकृत करने से पहले उसका परीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि सावित्री बाई फुले स्व-सहायता समूह योजना को विशेषकर रतलाम, अलीराजपुर, झाबुआ जिले में छोटे-छोटे व्यवसाय करने वाली महिलाओं को इस योजना का लाभ दिया जाए। मंत्री श्री चौहान ने संत रविदास स्व-रोजगार योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना में वितरित ऋण के संबंध में भी जानकारी ली।

समीक्षा बैठक में अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. ई. रमेश कुमार एवं संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दिव्यांग को गोद में उठाकर अफसर के पास पहुंचे कांग्रेसी

भोपाल निगम कमिश्नर के सामने टेबल पर खड़ा किया; बोले-जबरन उठाई गुमटी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गौतम नगर इलाके में एक दिव्यांग की गुमटी हटाने के विरोध में सोमवार को कांग्रेस ने अनोखे ढंग से प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला दिव्यांग को गोद में उठाकर निगम ऑफिस पहुंचे और कमिश्नर हरेंद्र नारायण यादव के सामने टेबल पर खड़ा कर दिया। बोले कि दिव्यांग की जबर्दस्ती गुमटी हटाई गई। उसे जेल भेज दिया गया। ये कहां का न्याय है? इस मामले में निगम कमिश्नर ने जांच कराने के आदेश दिए हैं।

वार्ड-58 के गौतम नगर में दिव्यांग उमाशंकर नन्हेंटे करीब 15 साल से फास्ट फूड की गुमटी लगाते थे। कुछ दिन पहले नगर निगम ने उनकी गुमटी हटा दी। दिव्यांग उमाशंकर ने बताया, अतिक्रमण अधिकारी शैलेंद्र सिंह भदौरिया ने द्वेषपूर्ण भावना से न उन्हें सिर्फ हटाया बल्कि गुमटी सहित आजीविका का पूरा सामान जब्त कर लिया। उनका इतने से भी मन नहीं भरा और मामला दर्ज कराकर गोविंदपुरा थाने में उसे बंद करा दिया। थाने से जमानत भी नहीं होने दी। मजबूरन परिजनों ने अदालत से उनकी जमानत कराई।

राजधानी में ही अन्याय हो रहा : शुक्ला

कांग्रेस नेता शुक्ला ने इस पूरे मामले की जानकारी नगर निगम कमिश्नर को देते हुए बताया कि अतिक्रमण अधिकारी ने दवाब में एक गरीब अनुसूचित जाति के व्यक्ति के साथ यह अन्याय किया। सरकार दिव्यांगजनों और अनुसूचित जाति की हमदर्द बनती है, लेकिन राजधानी में ही ऐसा अन्याय हो रहा है। अदालत ने भी पीड़ित को जमानत देते हुए स्वयं कहा कि पीड़ित की जमानत थाने से हो सकती है, कोर्ट आने की जरूरत नहीं थी। आईएसबीटी स्थित ऑफिस में टेबल पर खड़े होकर दिव्यांग ने अपनी पीड़ा निगम कमिश्नर को बताई।

अतिक्रमण अधिकारी पर कार्रवाई की मांग

शुक्ला ने बताया कि 15 साल से इसी स्थान पर गुमटी लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करने वाले उमाशंकर नन्हेंटे विकलांग हैं। गुमाश्ता लायसेंस उनकी पत्नी के नाम है। अतिक्रमण अधिकारी ने उनके ऊपर अनर्गल आरोप लगाते हुए उनके पूरे परिवार को प्रताड़ित किया है। उन्होंने कमिश्नर से मांग की कि अतिक्रमण अधिकारी पर कार्रवाई की जाए और पीड़ित उमाशंकर नन्हेटे को न्याय देते हुए उनका सामान वापस कराकर उन्हें दोबारा से अपनी दुकान संचालित करने में नगर निगम सहयोग करें। इस दौरान सैयद तारिक अली, अमित खत्री, मुकेश पंथी, प्रिंस नवांगे, महेश मेहरा, अलमास अली, उल्लास सोनकर, राजकुमार राय, सुरेश साहू, अनूप पांडे, जितेंद्र सिंह बघेल, योगेश प्रजापति, सुशील ठाकुर, संजय डूमने, हर्षित तिवारी, फैजान खान, मो. आमिर आदि मौजूद थे।

निगम कमिश्नर बोले- जांच करवा रहे

दिव्यांग के साथ कांग्रेस नेता शुक्ला ने शिकायत की है। इस मामले की जांच करवा रहे हैं। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सिवनी में 2 दिन में भूकंप के 2 झटके, खौफ में लोग

सिवनी में बीते 4 साल में 50 से अधिक बार हिली धरती

सिवनी (नप्र)। भू-गर्व में कमजोर चट्टान क्षेत्र के कारण सिवनी शहर सहित आसपास वर्षाकाल में भूकंप दर्ज होने की सिलसिला जारी है। एक व दो सितंबर को 33 घंटे के भीतर दो बार राष्ट्रीय सिस्मोलाजी सेंटर में रिक्टर स्केल में 2.5 तथा 2.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया है। हालाकि दोनों भूकंप के झटकों से कोई नुकसानी अब तक सामने नहीं आई है।

सोमवार दोपहर आया भूकंप- भूकंप से लोगों में कुछ क्षण के लिए दहशत फैला दी। सोमवार दोपहर 2.52 बजे भी भूकंप ने शहरवासियों को हिला दिया। एक दिन पहले 1 सितंबर की अल सुबह 6.09 बजे भी 2.2 तीव्रता का भूकंप सिवनी में दर्ज किया गया है। भूकंप का केंद्र आमाझिरिया गांव होने के कारण लोगों को इसका पता नहीं चला।

सात किलोमीटर गहराई में था भूकंप का केंद्र- दोनों भूकंप का केंद्र भूमि की सतह से पांच व सात किलोमीटर गहराई में था। जबकि सोमवार को आए भूकंप का केंद्र छिंदवाड़ा रोड़ हाईवे में बम्होड़ी ब्रिज के करीब था। भू-गर्व की कमजोर चट्टानें से भूकंपभू-विज्ञानियों के मुताबिक भू-वर्ग में मौजूद चट्टानों के वीक जोन रीजन (कमजोर क्षेत्र)

में सिवनी जिला आता है।

कई सालों से आ रहा भूकंप- वर्षाकाल में पानी की ओडिंग-अनलोडिंग (दबाव बढ़ने व घटने से) से चट्टानों में तनाव बढ़ने के कारण भूकंप आने का सिलसिला कई सालों से बना हुआ है। कमजोर चट्टान भू-गर्व की खाली जगह भरने खिसकती है। इससे तैयार ऊर्जा (एनर्जी) भू-गर्व से बाहर निकलने के कारण भूकंप के झटके महसूस हो रहे हैं।

चार साल में 50 से ज्यादा भूकंप- सिवनी में भविष्य में रिक्टर स्केल पर ढाई से तीन तीव्रता के भूकंप आने की संभावना बनी हुई है। इससे मजबूत भवनों को नुकसान की आशंका नहीं है। बीते चार साल में लगभग आधा सैकड़ा से ज्यादा भूकंप दर्ज किए गए हैं। इस साल पहला भूकंप 23 जुलाई को दर्ज हुआ था। अभी तक दर्ज हुए भूकंप से बड़ा नुकसान सामने नहीं आया है।

घर की दीवारों में गहरी दरारें- चूनाभट्टी, डूंडासिवनी के रहवासियों के अनुसार बार-बार भूकंप से घर की दीवारों में गहरी दरारें आ गई है। सिवनी में केवल एक बार 4.2 तीव्रता का भूकंप आया है। दिल्ली से विशेषज्ञों का दल दो बार सिवनी का दौरा भी कर चुका है। भूकंप की घटनाओं का सटीक विश्लेषण करने सिवनी में चार स्थानों पर भूकंप मापी वैद्य शाला बनाई गई हैं।

पत्नी से फोन पर बात करने से खफा होकर काट दिया था दोस्त का गला, पुलिस ने किया पर्दाफाश

भोपाल (नप्र)। बिलखिरिया थाना पुलिस ने 24-25 अगस्त की दरमियानी रात आरटीओ के पास हुई छावनी पठार निवासी 22 सुप्यार शिल्पी ऐर्फ छोटू की हत्या की गुतथी सुलझा ली है। वह राजमिस्त्री का काम करता था। हत्या के आरोप में छोटू के दोस्त 33 वर्षीय रामबाबू कुशवाहा को गिरफ्तार कर लिया है। छोटू, रामबाबू की पत्नी से फोन पर बात किया करता था। इससे नाराज होकर उसने साथ में शराब पिलाने के बाद चाकू से छोटू का गला रेत दिया था।

बिलखिरिया थाना प्रभारी वीरेंद्र सेन के अनुसार 26 अगस्त को दोपहर में छोटू का शव झाड़ियों से बरामद किया गया था। उसका मोबाइल फोन गायब था। मोबाइल की काल डिटेल और विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी के फुटेज देखने पर पता चला था कि आखिरी बार छोटू अपने दोस्त रामबाबू के साथ देखा गया था। घटना के बाद से रामबाबू गायब भी था।

पुलिस ने रविवार को मूलतः ग्राम उमरहारी थाना सुल्तानगंज थाना सिलवानी को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में रामबाबू ने पुलिस को बताया कि छोटू उसकी पत्नी से फोन पर लंबी बात किया करता था। उसने कई बार छोटू को समझाया भी था, लेकिन वह नहीं मान रहा था।

24 अगस्त की को वह शराब पिलाने के बहाने से छोटू को अपने साथ ले गया था। नशा अधिक होने पर उसने छोटू के गले पर चाकू से वार कर दिए थे। इससे उसकी मौत हो गई थी। एएसआई बेनीप्रसाद ने बताया कि रामबाबू ने छोटू का मोबाइल फोन रायसेन बायपास रोड पर फेंक दिया था। उसे भी बरामद कर लिया था।

नींद में थे निलंबित रजिस्ट्रार, छापा मारने पहुंची ईडी

भोपाल में घर से सामने भीड़ देख भड़का अफसर, आरजीपीवी में घोटाले का है आरोप

भोपाल (नप्र)। भोपाल के राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के निलंबित रजिस्ट्रार आरएस राजपूत के घर सोमवार को ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने रेड की है। सुबह 5 से 6 बजे के बीच ईडी के 4 अफसरों की टीम उनके लेकपर्ल गार्डन स्थित घर पहुंची। इस समय राजपूत नींद में थे। घर के अंदर एंटर होते ही अफसरों ने राजपूत और उनकी पत्नी के मोबाइल जमा कर लिए। ईडी के अफसरों ने निलंबित रजिस्ट्रार के घर से दस्तावेज जमा किए हैं। कार्रवाई जारी है। ईडी को निलंबित रजिस्ट्रार के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की शिकायत मिली थी।

घर के सामने जमा भीड़ पर भड़के निलंबित रजिस्ट्रार- दोपहर में निलंबित रजिस्ट्रार के घर छापे की खबर कॉलोनी में फैल गई। लोग जमा होने लग। यह बात निलंबित रजिस्ट्रार को नागवार गुजरी। वे दोपहर 3 बजे दो ईडी अफसरों के साथ घर से बाहर भड़कते हुए निकले और अफसरों से घर के सामने जमा लोगों को हटाने को कहा।

19.48 करोड़ रुपए सरकारी खाते से प्राइवेट अकाउंट में ट्रांसफर कराए- आरजीपीवी में रजिस्ट्रार रहते हुए आरएस राजपूत ने 19.48 करोड़ रुपए सरकारी खाते से प्राइवेट

आरएस राजपूत

अकाउंट में ट्रांसफर कराए थे। घोटाले में यूनिवर्सिटी के कुलपति से लेकर रजिस्ट्रार तक सभी के शामिल होने के आरोप लगे थे। इसके बाद कुलपति प्रोफेसर सुनील कुमार, पूर्व रजिस्ट्रार आरएस राजपूत, तत्कालीन फाइनेंस कंट्रोलर ऋषिकेश वर्मा, बैंक मैनेजर मयंक सहित 5 पर एफआईआर दर्ज की गई थी। मामला तब सामने आया, जब लगातार एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने आंदोलन किया।

घर में नहीं मिले तत्कालीन कुलपति प्रो. सुनील कुमार

ईडी टीम ने सुबह 6 बजे एयरपोर्ट रोड स्थित लेकपर्ल गार्डन स्थित मकान नंबर 6 पर भी दबिश दी। इस मकान में आरजीपीवी के पूर्व कुलपति प्रो. सुनील कुमार रहते थे। वे यूनिवर्सिटी में 19.48 करोड़ रुपए का गड़बड़ी मामला सामने आने के बाद चूनाभट्टी क्षेत्र की एक कॉलोनी में शिफ्ट हो गए हैं। जबकि, लेकपर्ल गार्डन स्थित मकान को उन्होंने रेंट पर दिया हुआ है। ईडी अफसरों ने सोमवार को यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति सुनील कुमार के किराएदारों से करीब 2 घंटे तक पूछताछ की।

संपादकीय

अरबपति बढ़े पर गरीबों का क्या?

अमीरों का डाटा इकट्ठा करने वाली 'हुरून इंडिया 2024' की रिपोर्ट पढ़ने पर बहुत से लोगों को भारत के बारे में गलत फहमी हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक वेल्थ क्रिएशन ओलंपिक्स में भारत गोल्ड मेडल जीत रहा है, क्योंकि देश में अरबपतियों की संख्या लगातार बढ़ रही है और 300 को पार गई है। 'हुरुन इंडिया 2024' की रिच लिस्ट के अनुसार भारत में अब पिछले वर्ष की तुलना में 75 अरबपतियों का इजाफा देखने को मिला है। जिसके बाद देश में कुल अरबपतियों की संख्या 334 हो गई है। रिपोर्ट में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया है कि भारत कैसे एशिया के वेल्थ क्रिएशन इंजन के रूप में उभर रहा है। यानी कि भारत में हर पांचवे दिन एक अरबपति बन रहा है। पहली बार हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में 1 हजार 539 लोगों को शामिल किया गया है, जो विभिन्न प्रकार के वेल्थ क्रिएटर्स को प्रदर्शित करती है। रिपोर्ट के अनुसार इन व्यक्तियों के पास कम से कम 1 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति पाई गई। यदि 5 हजार करोड़ रुपये को सीमा के रूप में लिया जाए, तो अमीरों की लिस्ट में 534 एचएनआई हैं। भारत के सबसे अमीर लोगों की संचयी संपत्ति 46 फीसदी बढ़ी, जबकि औसत संपत्ति में 25 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। रिपोर्ट के अनुसार देश में 1 हजार 334 व्यक्तियों की संपत्ति में वृद्धि हुई या वही बनी रही। इनमें 272 नए चेहरे हैं, जबकि 205 की नेटवर्थ में गिरावट देखने को मिली है। वहीं 45 लोग इस लिस्ट से बाहर हो गए हैं। इस लिस्ट में परिवार द्वारा संचालित व्यवसाय और स्टार्टअप फाउंडर्स से लेकर प्राइवेट इक्विटी इंवेस्टर, एंजेल इंवेस्टर, नेक्स्ट जेन लीडर्स, फिल्म स्टार्स के अलावा और भी कई लोगों को शामिल किया गया है। दूसरी तरफ चीन में अरबपतियों की संख्या में 25 फीसदी की गिरावट देखी गई। इसके पीछे राष्ट्रपति शी जिन पिंग की नीतियां भी हो सकती हैं, जो धन के समाजवादी बंटवारे पर जोर दे रहे हैं। बेशक भारत में कुछ लोगों की सम्पत्ति में बेहिसाब इजाफा हो रहा हो, लेकिन देश की आर्थिकी और सम्पत्ति में आम आदमी की हिस्सेदारी अभी भी बहुत कम है। पिछले दिनों आई एक रिपोर्ट में बताया गया था कि देश की 40 फीसदी सम्पत्ति पर कुछ अमीरों का ही अधिकार है। बाकी जनता या तो गरीबी की रेखा के नीचे है या फिर मध्यमवर्गीय है, जो किसी तरह कमा खाकर अपनी जिंदगी बसर कर रहे हैं। इसका सीधा मतलब है कि सम्पत्ति बढ़ रही है, लेकिन उसका नियंत्रण कुछ ही लोगों के हाथों में है। सम्पत्ति का यह असमान वितरण सरकार की आर्थिक नीतियों की नाकामी है। हुरून रिपोर्ट के इस चमकदार हिस्से को छोड़ें तो आज भारत में 3 फीसदी आबादी अति गरीब है, जिसकी मासिक आय महज 2 हजार रू. है। देश की 67 फीसदी आबादी को सरकार मुफ्त राशन दे रही है। क्योंकि उनके पास राशन खरीदने तक के पैसे नहीं है। करीब 30 फीसदी आबादी उस मध्यम वर्ग की है, जो जैसे तैसे सीमित आय में अपनी जिंदगी बसर कर रहा है। दरसअल आर्थिकी के लिहाज से हम एक विरोधाभासी हालात में जी रहे हैं। जहां एक तरफ कहा जा रहा है कि भारत दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थ व्यवस्था बन गया है, वहीं हमारी प्रति व्यक्ति औसत कई छोटे देशों से भी कम है। दूसरी तरफ बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। ज्यादातर युवाओं के पास काम नहीं है और वो अवैध धंधों के जरिए पैसे कमाने से गुरेज नहीं कर रहे हैं। 'हुरून इंडिया' की गुलाबी तस्वीर हकीकत से कहीं मेल नहीं खाती।

नजरिया

आरके सिन्हा

लेखक पूर्व सांसद हैं।

अरबपति दानवीर भी बन जाएं तो कुछ बात बने

अभी कुछ दिन पहले एक खबर मीडिया की सुर्खियों में थी कि भारत की वित्तीय राजधानी मुंबई अब एशिया की 'अरबपतियों की राजधानी' बन गई है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2024 के अनुसार, मुंबई में चीन के राजधानी शहर बीजिंग से भी ज़्यादा अरबपति व्यक्ति रहने लगे हैं। भारत में मुंबई के बाद सबसे ज्यादा अरबपति अब दो और महानगरों नई दिल्ली और हैदराबाद में ही रहते हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि देश में अरबपतियों की तादाद देश में विकास की रफ़्तार के साथ बढ़ती ही रहेगी। अरबपति छोटे शहरों और कस्बों में भी बने। पर भारत को फिलहाल सैकड़ों-हजारों दानवीर भी तो चाहिए।

भारत, अपने युवा और विविध जनसंख्या के बावजूद, दुनिया की सबसे तेजी से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हालांकि, फ़िलहाल इसकी समृद्धि असमान रूप से वितरित है। लाखों लोग गरीबी, भुखमरी, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक की पहुँच से वंचित हैं। इस असमानता को कम करने और भारत को एक समृद्ध और न्यायपूर्ण राष्ट्र बनाने के लिए अधिक से अधिक दानवीरों की आवश्यकता है। हमें इस तरह के दानवीर चाहिएं जो हर साल बड़ी राशि स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों में खर्च करें।

यह संतोष का विषय है कि बिल गेट्स ने अपनी समृद्धि का उपयोग मानवता की सेवा में किया है। उनके द्वारा स्थापित बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने वैश्विक स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया है। भारत में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बड़ी चुनौतियाँ हैं, जिसमें गरीबों के लिए स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच सीमित है। बेशक, दानवीर स्वास्थ्य सेवा में निवेश करके, नई तकनीकों और दवाओं को विकसित करने में मदद कर सकते हैं। वे गरीबों के लिए स्वास्थ्य सेवा की पहुँच को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों और क्लिनिकों का निर्माण कर सकते हैं।

भारत में शिक्षा प्रणाली में भी सुधार की बड़ी आवश्यकता है। इस क्षेत्र में बहुत सारे दानवीरों को निवेश करना चाहिए। वे शिक्षा के क्षेत्र में निवेश करके, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। समृद्ध दानवीर शिक्षकों के प्रशिक्षण, स्कूलों का आधुनिकीकरण और नए शिक्षण उपकरणों का विकास जैसे क्षेत्रों में निवेश कर सकते हैं। यह कोई नहीं कह रहा है कि हमारे यहां दानवीर शिक्षा या हेल्थ सेक्टर में निवेश नहीं करते। पर इन दोनों क्षेत्रों में शत प्रतिशत सरकार के भरोसे भी तो नहीं रहा जा सकता। सरकार की भी अपनी सीमाएं हैं।

इसके साथ ही भारत में गरीबी और असमानता को दूर करने के लिए बड़े पैमाने पर चहुँमुखी सामाजिक विकास की आवश्यकता है। दानवीर गरीबों को रोजगार के अवसर प्रदान करने और उनकी आय बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। वे ग्रामीण विकास, कृषि, स्वरोजगार और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में निवेश कर सकते हैं।

भारत जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रहा है। इस स्थिति का सामना करने के लिए हमारे दानवीर नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को विकसित करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए नवाचारों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जल संरक्षण और ज़्यादा पानी अवशोषित करने वाले गेहूँ, धान और गन्ना के उत्पादन को छोड़कर या कम करके परंपरागत मोटे और छोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ावा देने का अभियान चला सकते हैं। एक किलो धान के उत्पादन में जहाँ 8000 लीटर , एक किलो गेहूँ उत्पादन में 10,000 लीटर पानी और एक किलो चीनी के उत्पादन में 28,000 लीटर पानी का व्यय होता है, वहीं एक किलो छोटे अनाज कोदो, कँगनी, कुटकी, साँवा और हरा सावाँ के उत्पादन में मात्र 100 से लेकर 300 तक ही पानी की आवश्यकता पड़ती है । इसीप्रकार, हर तरह के दूरगामी और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने के लिए भी दानवीर अरबपति पर्यावरणीय संगठनों को समर्थन दे सकते हैं।

मैं अपना खुद का उदाहरण देना चाहूँगा । मैं 1966 से लेकर 1975 में स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गाँधी द्वारा लगायी गई इमरजेंसी के पूर्व तक उस समय भारतवर्ष के दो बड़े मीडिया संस्थानों में से एक में विशेष संवाददाता था । तनख़्वाह थी मात्र 230 रुपए प्रतिमाह। संपादकीय पृष्ठ पर एक लेख लिखने पर प्रति लेख 10 रुपए अलग से मिल जाते थे। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रेरणा और आशीर्वाद से भूतपूर्व सैनिकों के पुनर्वास के लिये एक छोटा सा सेवामूलक कार्य शुरू किया और तीन लाख भूतपूर्व सैनिकों और बेरोज़गार युवक - युवतियाँ को रोज़गार दिया। आज उन संस्थाओं का वार्षिक कारोबार लगभग 13,000 करोड़ का है । संतोषप्रद लाभ भी है । लेकिन, मैं अपने लाभाँश का लगभग 95 प्रतिशत अपने पूज्य माता और पिताजी की स्मृति में स्थापित 'अवसर ट्रस्ट' के माध्यम से ज़रूरतमंद लोगों की शिक्षा, चिकित्सा, बिना दहेज विवाह, किसी भी तरह की समाज सेवा करने वाली संस्थाओं की सहायता में खर्च करता हूँ। इससे जो आत्मीय संतुष्टि मिलती है, उसका वर्णन करना संभव नहीं है । धन की गति या तो व्यभिचार के लिये होगी या सद्कार्यों के लिये! अरबपतियों को एक ही रास्ता चुनना होगा । नोटों की गड्डी पर न तो आज तक कोई जला है, न जलेगा। तब बुद्धिमत्ता पूर्वक सबको यह सूचना चाहिये कि संचित धन का सदुपयोग करना है या दुरुपयोग?

नए-नए करोड़पतियों और अरबपतियों को अनुसंधान और विकास में भी निवेश करना चाहिए। ये दानवीर वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और नए क्षेत्रों में निवेश करके, भारत को वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्र में नेता बनने में मदद कर सकते हैं। वे नए उद्यमों को शुरू करने और भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए निवेश कर सकते हैं।

इंफोसिस टेक्नोलॉजीज के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि शिक्षा के क्षेत्र में बहुत दान देते हैं। उन्होंने कुछ समय पहले इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) बॉम्बे को 315 करोड़ रुपए दान किये। इससे पहले भी, उन्होंने आईआईटी बॉम्बे को 85 करोड़ रुपए दान किया था। यानी अब तक वो आईआईटी बॉम्बे को करीब 400 करोड़ रुपये का दान कर चुके हैं। दरअसल देश के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्लायों के सफल छात्रों को अपने शिक्षण संस्थानों की आर्थिक मदद करनी चाहिए। इन संस्थानों को सरकार की मदद के सहारे पर नहीं छोड़ा जा सकता है। अमेरिका में पूर्व छात्र अपने कॉलेजों और विश्व विद्लायों की भरपूर मदद करते हैं। पूर्व छात्रों की मदद से ही उनके शिक्षण संस्थानों में रिसर्च और दूसरी सुविधाएं बढ़ाई जा सकती हैं। नीलकेणी की सबसे बड़ी कामयाबी आधार कार्ड है। देश के हर नागरिक को एक विशिष्ठ पहचान संख्या या यूनिक आइडेंटीफिकेशन नम्बर को उपलब्ध करवाने का विचार उन्होंने ही सफलतापूर्वक चलाया था।

इसमें दो राय नहीं हो सकती कि भारत में नंदन नीलकेणी जैसे दानवीरों की संख्या को बढ़ाना होगा। अजीम प्रेमजी और शिव नाडर जैसे अरबपति दानवीर भी देश के युवाओं को सामाजिक उद्यमिता, सामुदायिक विकास और सामाजिक बदलाव के लिए प्रेरित कर सकते हैं। वे भारत के संसाधनों का प्रभावी उपयोग करके, गरीबी को दूर करने और मानवता की सेवा करने के लिए सहायता भी कर सकते हैं।

कभी-कभी मन उदास हो जाता है कि भारत में दानवीरों की काफी कमी हैं। देखिए भारत में अब भी धनी लोग समाज के लिए धन देने से कतराते हैं। उन्हें लगता है कि उनका टैक्स देना ही काफी है। यह सोच बदलनी होगी।

फिर भारत में भ्रष्टाचार व्याप्त है, जिससे लोगों को दान करने के लिए प्रेरित करने में कठिनाई होती है। उन्हें डर लगता है कि उनके दान का गलत उपयोग किया जाएगा। कई मामलों में यह होता भी है। फिर कई लोग दान के बारे में जानकारी नहीं रखते हैं या वे यह नहीं जानते कि वे दान कैसे कर सकते हैं।

इस बीच, यह कहना सही नहीं है कि यूरोप और अमेरिका में भारत से ज़्यादा दानवीर हैं।दानवीरता किसी भी देश या संस्कृति तक सीमित नहीं है। हर जगह अच्छे दिल वाले लोग होते हैं जो दूसरों की मदद करने को तैयार रहते हैं। हर देश के अपने-अपने दान करने के तरीके हैं और हर व्यक्ति की अपनी ज़रूरतें और सीमाएँ होती हैं. दानवीरता किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत पसंद और क्षमता पर निर्भर करती है, न कि किसी देश या संस्कृति पर। हमारे यहां बहुत से लोग मशहूर खिलाड़ियों और फिल्मी सितारों से शिकायत करते रहते हैं कि वे चैरिटी नहीं करते। हालांकि सच यह है कि कई सेलिब्रिटी अपने दानों के बारे में सार्वजनिक नहीं होना चाहते। उनका मानना हो सकता है कि दान करना एक निजी मामला है और इसे सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने की जरूरत नहीं है। कुछ सेलिब्रिटी किसी विशिष्ट कारण के प्रति सहानुभूति महसूस नहीं करते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सभी सेलिब्रिटी एक समान नहीं होते हैं। कुछ बहुत दानवीर होते हैं, जबकि कुछ नहीं भी करते हैं। इसलिए, यह मान लेना गलत होगा कि सभी सेलिब्रिटी दान नहीं करते हैं।

पर्यावरण

डॉ.ओ.पी.जोशी

लेखक पर्यावरण के मुद्दों के जानकार हैं।

लालच के चलते लानत झेलते विशेषज्ञ

वायनाड पहाड़ी जिला है एवं पश्चिमी-घाट का हिस्सा है। पश्चिमी-घाट की 1400 किलोमीटर लम्बी पर्वत श्रृंखला केरल समेत छः राज्यों से गुजरती है। यह 'यूनेस्को' की विश्व-धरोहर सूची में शामिल है। विश्व के 08 सर्वाधिक जैव-विविधता वाले स्थानों (हॉट स्पाट्स) में एक पश्चिमी-घाट भी है। पश्चिमी-घाट के पर्यावरण को लेकर सरकार ने पहले 'भारतीय विज्ञान संस्थान' (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेगलुरु) में 'पारिस्थितिकी विज्ञान केंद्र' के संस्थापक प्रोफेसर माधव गाडगिल की अध्यक्षता में 'पश्चिमी-घाट पारिस्थितिक विशेषज्ञ पैनल' (डब्ल्यूजीईईपी) गठित किया था।

केरल के वायनाड में 30 जुलाई की रात्रि भूस्खलन से हुई त्रासदी के बाद राज्य सरकार ने 01 अगस्त को जारी एक आदेश तुरंत वापस ले लिया। आदेश में कहा गया था कि वैज्ञानिक इस त्रासदी के संदर्भ में अपनी राय सार्वजनिक नहीं करें एवं अपने तक ही सीमित रखें। साथ ही वैज्ञानिक इस बाबद कोई अध्ययन करना चाहें तो वे पहले सरकार से अनुमति लें। इस आदेश के पीछे राज्य सरकार का भय प्रतीत होता है। शायद पहले किसी वैज्ञानिक ने इस त्रासदी के बारे में कोई चेतावनी या सलाह दी होगी जिसे अनदेखा किया गया होगा। इस हरकत से सरकार कटघरे में तो आ ही जाती है।

वायनाड पहाड़ी जिला है एवं पश्चिमी-घाट का हिस्सा है। पश्चिमी-घाट की 1400 किलोमीटर लम्बी पर्वत श्रृंखला केरल समेत छः राज्यों से गुजरती है। यह 'यूनेस्को' की विश्व-धरोहर सूची में शामिल है। विश्व के 08 सर्वाधिक जैव-विविधता वाले स्थानों (हॉट स्पाट्स) में एक पश्चिमी-घाट भी है। पश्चिमी-घाट के पर्यावरण को लेकर सरकार ने पहले 'भारतीय विज्ञान संस्थान' (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेगलुरु) में 'पारिस्थितिकी विज्ञान केंद्र' के संस्थापक प्रोफेसर माधव गाडगिल की अध्यक्षता में 'पश्चिमी-घाट पारिस्थितिक विशेषज्ञ पैनल' (डब्ल्यूजीईईपी) गठित किया था। इस पैनल ने अगस्त 2011 तक अपनी रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंप दी थी, लेकिन पर्यावरण मंत्रालय ने लंबे समय तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं की और न ही इसे सार्वजनिक चर्चा के लिये जारी किया। प्रोफेसर गाडगिल ने अपनी रिपोर्ट में पश्चिमी-घाट के 1,64,280 हेक्टेयर इलाके को पूरी तरह प्रतिबंधित करने के अलावा विकास के नाम पर की जाने वाली विनाशकारी गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने की अनुशंसा की थी।

गाडगिल समिति पर लीपापोती करने की गरज से सरकार ने अगस्त 2012 में 'इसरो' प्रमुख प्रोफेसर के. कस्तूरीरंगन के नेतृत्व में एक और समिति का गठन कर दिया। यह समिति दरअसल एक उच्च स्तरीय कार्य-समूह था जिसका काम गाडगिल समिति की रिपोर्ट की समग्र और बहु-विषयक तरीके से जांच करना था। इस समिति ने 60,000 हेक्टेयर क्षेत्र को 'पारिस्थितिक-संवेदनशील क्षेत्र' (इकोलाजिकली सेंसिटिव जोन) बनाने का सुझाव दिया था। दोनों ही समितियों के सुझावों पर ध्यान नहीं देकर केन्द्र सरकार ने सम्बन्धित राज्य सरकारों को संवेदनशील क्षेत्रों में बड़े उद्योग एवं व्यापक खनन कार्य को छोड़कर व्यावसायिक एवं विकास गतिविधियां करने की अनुशंसा की। पर्यावरण की परिस्थितियों को ध्यान में नहीं

रखकर की गई गतिविधियों से इस पर्वतमाला के कई भाग उजाड़ एवं जर्जर हो गए।

वायनाड के संदर्भ में पढ़ने में आया कि यहां जिस क्षेत्र में भूस्खलन हुआ वहां कुछ वर्षों पहले बड़ी संख्या में पेड़ काटे गये थे। वर्ष 2022 के एक अध्ययन में बताया गया कि वर्ष 1950 से लेकर 2020 के मध्य तक वायनाड जिले में 62 प्रतिशत वन क्षेत्र समाप्त हो गया था। वायनाड की ढीली मिट्टी, पेड़ों की कटाई एवं जलवायु बदलाव से कम समय में आयी तेज बारिश से चौरल पर्वत पर तीन बार भूस्खलन हुआ जिससे चोलियार नदी के जलागम क्षेत्र (केचमेंट एरिया) में बसे चार गांव मलबे में दब गए। केरल विश्वविद्यालय के एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2018 से राज्य में तेज बारिश से भूस्खलन के क्षेत्र 3.46 प्रतिशत बढ़े हैं। केन्द्र के 'पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय' के अनुसार पिछले सात वर्षों में आये 3782 भूस्खलन में 59.2 प्रतिशत दर्ज किये गए हैं।

'इम्पीरियल कॉलेज ऑफ लंदन' की शोधकर्ता मरियम जकारिया का कहना है कि जलवायु बदलाव के कारण वायनाड में वर्षा का पैटर्न बदलने से भूस्खलन का खतरा बढ़ा है। 'भारतीय ऊष्ण-कटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्था, पुणे' के जलवायु विशेषज्ञ आरएम कौल का कहना है कि केरल का आधा हिस्सा पहाड़ियों तथा पर्वत क्षेत्र से घिरा है जहां ढलान 20 डिग्री से ज्यादा है जिससे भारी बारिश में भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। वायनाड त्रासदी जलवायु बदलाव से पैदा बारिश के पैटर्न में परिवर्तन के साथ-साथ समय-समय पर वैज्ञानिकों की चेतावनी एवं विशेषज्ञ समितियों की रिपोर्ट नहीं मानने का एक सामूहिक मिला-जुला परिणाम है। केदारनाथ, चमोली, जोशीमठ एवं सिक्किम आदि त्रासदियों के पीछे भी यही कारण है। वर्ष 1976 की 'मिश्रा समिति' की रिपोर्ट से लेकर 2012 तक जोशीमठ पर पांच वैज्ञानिक रिपोर्टें आयी थीं, जिनमें धंसान के कारण एवं बचाव के उपाय बताए गये थे, परंतु किसी पर भी ध्यान नहीं दिया गया।

जलवायु बदलाव के वर्तमान समय में इस प्रकार की त्रासदियों से बचने के लिए जरूरी है, केन्द्र व राज्य सरकारें विषय विशेषज्ञों की सलाहों को महत्व दें। सामान्यतः सरकारें इनसे इसलिए कतराती हैं कि वे कई बार सरकार की नीतियों के विरोध में होते हैं। आमतौर पर सत्ता-तंत्र हमेशा विशेषज्ञों से बेरूखी रखकर अपने सेवानिवृत्त या कार्यरत अधिकारियों, ठेकेदारों एवं भवन निर्माताओं की सलाहों को ज्यादा महत्व देती है। विशेषज्ञों को महत्व देकर कुछ कार्य पिछली सरकारों ने किये थे जो निश्चय ही प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय हैं। वायनाड त्रासदी से सबक लेकर मौजूदा सरकारें भी विषय-विशेषज्ञों की बातों को महत्व देना शुरू करें तो बेहतर होगा। (सप्रेस)

चिंता तो व्यक्त हो गई, लेकिन हम कब निश्चिंत होंगे ?

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

आमतौर पर यह देखा गया है कि समय-समय पर कार्यपालिका, व्यवस्थापिका एवं न्यायपालिका से संबद्ध तमाम विसंगतियों एवं समस्याओं को लेकर अधिकार संपन्न वर्ग द्वारा चिंता जाहिर की जाती है। इसके चलते आम नागरिकों के मन में यह विश्वास उत्पन्न होने लगता है कि अब बहुत शीघ्र ही उल्लेखित समस्या का निवारण हो ही जाएगा। लेकिन उनका यह विश्वास भी समय के साथ तार-तार होता चला जाता है। चुंकि यह अधिकार संपन्न वर्ग किसी संदर्भ विशेष के चलते किसी आयोजित कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में ही ऐसा दर्शाता रहा है कि जो विसंगतियां या समस्याएं हैं, वह सब उनके संज्ञान में है। ऐसे में आम नागरिक को जो राहत मिलती है वह क्षणिक होती है।

यह सिलसिला हर किसी क्षेत्र में स्थापित हो गया है, ऐसा प्रतीत होता है। लेकिन अहम सवाल यह है कि किसी अधिकार संपन्न शख्सियत ने किसी अवसर विशेष पर किसी समस्या या विसंगति विशेष का उल्लेख किया है, तो उसका पूर्ण निदान करने की दिशा में कोई ठोस कदम कब उठाया जाएगा ? इसकी जानकारी आम आदमी को कतई नहीं होती। हालांकि वक्ती तौर पर आम आदमी चाहे संतुष्ट हो जाता है, लेकिन समय के साथ यह संतुष्टि भी निराशा में बदल जाती है। दरअसल किसी विषय पर चिंता व्यक्त करना एक अलग बात है और उस चिंता को दूर करने की इच्छाशक्ति का सच्चे अर्थों में परिचय देना एक अलग बात है।

यही कारण है कि तमाम क्षेत्र के सर्वाधिकार संपन्न वर्ग की विश्वसनीयता पर जन विश्वास में कमी आती दिखाई देती है। सवाल किसी क्षेत्र विशेष का ही नहीं है, बल्कि जो-जो विषय आम आदमी को प्रताड़ित या व्यथित करते हैं, आम नागरिक उसे ही नियति मान बैठते हैं। व्यवहार में देखा गया है आजकल तमाम छोटे बड़े राजनेताओं के कथन को आम नागरिकों द्वारा विश्वसनीय नहीं माना जाता। केंद्र व राज्य द्वारा नियुक्त तमाम छोटे-बड़े जनसेवक पूर्ण निष्ठा एवं समर्पित भाव से अपने कर्तव्यों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करेंगे ही करेंगे, इस बात को लेकर यदि आम नागरिक आशंकित है तो इस बिंदु पर आकर हजार सवाल खड़े हो जाते हैं। न्याय की अभिलाषा लिए कोई भी फरियाद अंतिम रूप से कब निराकृत होगी ? इस सवाल का जवाब किसी के पास नहीं हो सकता। लेकिन न्यायपालिका की कार्यप्रणाली से समझौता करना आम नागरिक की नियति है। जिम्मेदार वर्ग यह क्यों नहीं समझने को तैयार होता कि विलंबित न्याय भी अन्याय का ही प्रतिरूप है। अनगिनत मुकदमों का अंबार लगा है। अनेक अवसरों पर तो ऐसा भी देखा गया है कि पीढ़ी दर पीढ़ी न्याय के लिए भटकन का सिलसिला कभी विराम नहीं लेता। वैसे जब नीति और व्यवहार पर आम नागरिक सच्चे मन से अमल करने लगे, तो ही मुकदमों की संख्या में कमी आ सकती है। लेकिन इसके लिए न्यायपालिका और आम नागरिकों को अपनी ओर से ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

जहां तक राजनीति का सवाल है तो राजनीति में शूचिता और पवित्रता की जुगाली की जाती है, लेकिन व्यवहार में देखा गया है कि राजनीति भी निवेश का एक सशक्त माध्यम हो रही है। धन लगाकर धन अर्जित करना, धन के अभाव में बाहुबल, धन और बाहुबल के अभाव में जातिबल राजनीतिक सफलता का आधार बनते जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में आम नागरिकों के सम्मुख परिस्थितियों से समझौता करने के अतिरिक्त अन्य कोई मार्ग नहीं होता। वैसे इसमें कोई दो मत नहीं कि जब राजनीति विशुद्ध रूप से नीति और सिद्धांतों पर आधारित हो जाएगी, तब स्वतः ही कार्यपालिका और न्यायपालिका भी सच्चे अर्थों में अपने-अपने कर्तव्य का परिपालन कर सकेगी। एक प्रकार से विभिन्न समस्याओं एवं विसंगतियों के जड़ मूल में राजनीतिक विकृति ही जिम्मेदार है।

वास्तव में प्यासे की प्यास बुझनी चाहिए, न कि केवल पानी के छींटे मारकर अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़कर कहीं ओर पानी के छींटे मारने हेतु प्रवत्त हुआ जाए। एक समय में एक समस्या या विसंगति का उल्लेख यह तो जाहिर करता है कि मरीज की नब्ज पर आपका हाथ है, लेकिन असल सवाल रोग निदान का है। अन्यथा केवल और केवल बीमारी की पहचान सुनिश्चित करना किसी भी दृष्टि से सटीक उपचार का पर्याय नहीं हो सकता। इतनी साधारण सी बात अलग-अलग क्षेत्र के अधिकार संपन्न वर्ग की समझ में आखिर कब आएगी? हाल-फिलहाल तो जहां जैसा कहना जरूरी है, वही कहा जा रहा है। लेकिन वास्तव में करना क्या चाहिए ? इस संदर्भ में ठोस कदम कहीं दिखाई नहीं देता।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक व्यंग्यकार हैं।

चुनावी मौसम और नेताओं की टर्र-टर्र

जब भी देश में कहीं भी चुनावी मौसम में हवाएं तेज होती है तो राजनितिक दलों में एक अनोखा उबाल आने लगता है। यह उबाल उबलते हुए चावल की पानी की तरह गर्म हो कर हिलोरे मारने लगता है। इस स्थिति में ऐसा लगता है जैसे मेढ़कों की जमात अपने बिलों से निकल कर फिर से तालाब में टर्र-टर्र करने लगी है। नेता जी जो पिछले पांच साल से नदारद थे, अचानक जनता के बीच सक्रिय हो जाते हैं, जैसे कि उनके बिना जनता का भला ही नहीं होगा। यह चुनावी माहौल इतना दिलचस्प होता है कि पुराने से पुराने और नए से नए नेता सब अपने-अपने ढंग से सक्रिय हो जाते हैं। इस पूरे माहौल को देखकर लगता है कि राजनीति भी एक प्रकार की 'वन्यजीवन' है, जिसमें नेता मेढ़क की तरह उछल-कूद करते हैं और सांप की तरह अपने बिलों में छिपे रहते हैं, जब तक कि चुनावी मौसम न आ जाए।

चुनाव की तारीखें घोषित होते ही हमारे नेता जी का काफिला निकल पड़ता है। उन्हें देखकर ऐसा लगता है जैसे मेंढक पूरे पांच साल की नींद से जागे हों। नेता जी अब हर गली-मोहल्ले में जाकर जनता से मिलने लगते हैं, उनकी समस्याएं सुनने लगते हैं, और बड़ी-बड़ी वादों के हिमालय खड़ा करने लगते हैं। वादों की बौछार ऐसी होने लगती है मानो चेरापूंजी की वर्षा हो। लगने लगता है कि अब देश की सारी समस्याएं चुटकी में हल हो जाएंगी। पांच साल पहले भी यही नेता जी बड़े-बड़े वादे करके गए थे। जनता को सुनहरे सपने दिखाए थे, लेकिन जैसे ही चुनाव खत्म, नेता जी गायब! ये चुनावी मेंढक केवल चुनाव के समय ही टर्र-टर्र करते हैं, बाकी समय तो शांत रहते हैं। अगर जनता पूछने की हिम्मत करे कि 'नेता जी, आपने जो वादे किए थे, उनका क्या हुआ?' तो जवाब आता है, 'अरे भाई, वादे पूरे करने का काम अगले कार्यकाल में करेंगे।' उनके बनाएं पुलों को तरह उनके वादे भी टूटने में वक्त नहीं लगता है।

गांव मोहल्ले में क्रिकेट टूर्नामेंट और दुकानों के उद्घाटन करने वाले कुछ युवा नेता भी हर चौक- चौराहे पर मिल जाते हैं, जो चुनावी मौसम में सांप के बिल से बाहर निकलते हैं। ये युवा नेता किसी चमत्कार से कम नहीं होते। चुनाव के पहले ये कहीं नजर नहीं आते, लेकिन जैसे ही चुनाव की सुगबुगाहट शुरू होती है, ये अचानक हर जगह दिखाई देने लगते हैं। ऐसा लगता है जैसे किसी सांप ने बिल से बाहर निकलकर अपनी माया फैला दी हो। ये युवा नेता भी बड़े-बड़े वादे करते हैं, और जनता को यकीन दिलाते हैं कि वे ही असली बदलाव ला सकते हैं। लेकिन ये भी सांप की तरह ही चालाक होते हैं। ये जानते हैं कि चुनाव जीतने के बाद इन्हें फिर से अपने बिल में लौटना है। चुनावी सीजन खत्म होते ही ये फिर से गायब हो जाते हैं और अगले पांच साल तक फिर गांव में दुकान का उदघाटन करने में मस्त रहेंगे।

अपने देश के राजनीति में 75 साल का व्यक्ति भी युवा ही होता है इसीलिए हम उन्हें अनुभवी नेता के श्रेणी में रखतें है। इनका काम है चुनाव के समय अपने दल बदलने लगते हैं। ये नेता राजनीति के पुराने खिलाड़ी होते हैं, जिनकी रणनीति समझ पाना आम जनता के लिए मुश्किल होता है। जैसे ही चुनाव का बिगुल बजता है, ये अपने पुराने दल से अलग होकर नए दल की तलाश में निकल पड़ते हैं, जैसे किसी नए तालाब की तलाश में मेढ़क। इनका दल-बदलना भी बड़ा मजेदार होता है। जैसे ही किसी दल में इन्हें टिकट मिलने की उम्मीद नहीं होती, ये दूसरे दल में कूद जाते हैं और अगर वहाँ भी उम्मीद नहीं होती, तो तीसरे दल में कूदने में भी देर नहीं लगाते। इन्हें देखकर तो लगता है कि राजनीति में दल-बदल भी एक कला है, जिसमें ये नेता महारथी हैं।

लेकिन इस पूरे चुनावी तमाशे का असली मजा तो जनता को आता है। जनता भी इन नेताओं के इस खेल का मजा लेती है। हर बार चुनाव में यही सोचती है कि शायद इस बार कोई नेता वादे पूरा करेगा। लेकिन अंत में वही ढाक के तीन पात। चुनाव खत्म होते ही नेता जी फिर से अपने बिल में, और जनता अपने पुराने हालात में।

महिला समानता दिवस और वर्तमान प्रश्न

प्रोफेसर अमर्त्य सेन ने क्षमताओं की समानता की अवधारणा को प्रतिपादित किया है जिसमें वे लोगों की क्षमताओं को बराबर करने पर जोर देते है । अमर्त्य सेन के अनुसार अगर सामाजिक नीति इस प्रकार बनाई जाए कि उसके आधार पर लोग विभिन्न काम करने लायक क्षमताएं विकसित कर सकें तो समानता का आदर्श प्राप्त किया जा सकता है । अमर्त्य सेन यह भी स्पष्ट करते हैं कि असमानता (विषमता) का विश्लेषण करते समय मानवीय विविधता का पूरी बारीकी से ध्यान रखा जाना चाहिए । यह विविधता आंतरिक (उम्र,जेंडर,स्वास्थ्य, प्रतिभाएं आदि) भी होती है और बाह्य (संपति का स्वामित्व, सामाजिक पृष्ठभूमि,पर्यावरणीय स्थितियां आदि) भी हो सकती है ।

समानता

चित्रा माली

सहायक प्रोफेसर, गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता

समानता के बारे में जब भी चर्चा की जाती है तो यह प्रश्न अवश्य उपस्थित होता है कि हम किस समानता की बात कर रहे हैं । समानता के इस विमर्श में सामाजिक,आर्थिक,सांस्कृतिक, राजनीतिक और लैंगिक समानता का समावेश किया जा सकता है । समानता की मुख्यतः चार अवधारणाएं है : पहली कल्याण की समानता,दूसरी संसाधनों की समानता, तीसरी क्षमताओं की समानता और चौथी वैकल्पिक समानता । प्रोफेसर अमर्त्य सेन ने क्षमताओं की समानता की अवधारणा को प्रतिपादित किया है जिसमें वे लोगों की क्षमताओं को बराबर करने पर जोर देते है । अमर्त्य सेन के अनुसार अगर सामाजिक नीति इस प्रकार बनाई जाए कि उसके आधार पर लोग विभिन्न काम करने लायक क्षमताएं विकसित कर सकें तो समानता का आदर्श प्राप्त किया जा सकता है । अमर्त्य सेन यह भी स्पष्ट करते हैं कि असमानता (विषमता) का विश्लेषण करते समय मानवीय विविधता का पूरी बारीकी से ध्यान रखा जाना चाहिए । यह विविधता आंतरिक (उम्र, जेंडर, स्वास्थ्य, प्रतिभाएं आदि) भी होती है और बाह्य (संपत्ति का स्वामित्व, सामाजिक पृष्ठभूमि,पर्यावरणीय स्थितियां आदि) भी हो सकती है । अमर्त्य सेन कहते हैं कि वैसे तो हर स्त्री जेंडर आधारित भेदभाव का शिकार होती है लेकिन एक दलित स्त्री और एक उच्च जाति की स्त्री की परिस्थितियां एकदम भिन्न हो सकती हैं। सामाजिक नीतियां अगर इन अंतरों को ध्यान में रखकर तैयार की जाएंगी तो क्षमताओं की समानता अधिक बेहतर ढंग से प्राप्त की जा सकेगी । समाज में स्त्री-पुरुष समानता का विश्लेषण भी इसी बारीकी से किया जाना चाहिए ताकि स्त्रियों के समानता के अधिकार के रोज होते हनन को देखा व समझा जा सके। समानता की अवधारणा के विकसित होने के बाद भी वैश्विक स्तर पर महिलाओं को समानता,स्वतंत्रता और गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार के लिए अलग से संघर्ष करने पड़े हैं । अमेरिकी महिलाओं ने समान अधिकारों के लिए एक लंबा संघर्ष किया था जिसके फलस्वरूप 26 अगस्त 1920 में अमेरिकी संविधान में संशोधन के बाद पहली बार महिलाओं को मताधिकार का अधिकार प्राप्त हुआ । महिला समानता के अधिकारों के संघर्ष की स्मृतियों को ताजा रखते हुए प्रत्येक वर्ष 26 अगस्त को महिला समानता दिवस (Women's Equality Day) के रूप में मनाया जाता है । 26 अगस्त 1970 को अमेरिकी संविधान में 19वें संशोधन के पारित होने की 50वीं वर्षगांठ थी इसी संविधान संशोधन ने महिलाओं को पूर्ण मताधिकार प्रदान किया था । इसी वर्ष 'राष्ट्रीय महिला संगठन' ने महिलाओं से समान अधिकारों के लिए देशव्यापी समानता के लिए हड़ताल का आह्वान किया था । जिसमें देश के 90 से अधिक प्रमुख शहरों और कस्बों में एक लाख से अधिक महिलाओं ने रैलियों और प्रदर्शन में हिस्सा लिया था । अमेरिका के इतिहास में लैंगिक समानता के लिए यह हड़ताल महिलाओं का सबसे बड़ा प्रतिरोध थी । न्यूयॉर्क शहर में पचास हजार महिलाओं ने महिला आंदोलन और समान अधिकारों के समर्थन में प्रदर्शन किया इस आंदोलन में बेट्टी फ्राइडन, ग्लोरिया स्टीनम और बेला अब्जुग ने संबोधित किया था । महिलाओं ने शिक्षा और रोजगार में समान अवसर की मांग की ओर साथ ही बाल देखभाल केंद्रों की मांग भी की । 1971 न्यूयॉर्क में बेला अब्जुग ने महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करने के लिए एक विशेष दिन की मांग की । इस विशेष दिवस की मांग को मान लिया गया और 1973 में अमेरिकी कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर 26 अगस्त को 'महिला समानता दिवस' के रूप में नामित किया । इसके बाद पूरी दुनिया में महिला समानता दिवस 26 अगस्त को मनाया जाता है । महिला समानता दिवस के उद्देश्य महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचार,भेदभाव, बलात्कार, कुकर्म, एसिड अटैक के प्रति लोगों को जागरूक और संवेदनशील बनाना है और साथ ही महिलाओं को सशक्त कर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है । वर्ष 2023 में महिला समानता दिवस की थीम "Embrace Equality" थी जिसका अर्थ 'समानता को अपनाओ या गले लगाओ' है । इस थीम के द्वारा लैंगिक समानता हासिल करने की आवश्यकता पर बल दिया गया था । महिला समानता दिवस वैश्विक स्तर पर महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों के लिए जागरूक करता है और महिलाओं तथा लड़कियों को अपने सपनों को पूरा करने और आने वाली बाधाओं,रुकावटों से निबटने के लिए प्रोत्साहित करता है। महिला समानता दिवस लैंगिक समानता के प्रति प्रतिबद्ध विश्व के हर व्यक्ति को एकजुट करता है और अंतर संस्कृति संवाद और सहयोग के लिए प्रोत्साहित करता है । इसी के साथ समूचे विश्व से समानता को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाने का आग्रह करता है । भारतीय संविधान में महिलाओं और पुरुषों को समान अधिकार प्रदान किए गए हैं । लेकिन क्या ये सभी समानताएं 21 वीं सदी के तीसरे दशक में भी परिलक्षित होती हैं? कई लोग तर्क दे सकते है कि

आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज करा रही हैं और उन्हें अवसरों की समानता है । इस तर्क को स्वीकार किया जा सकता है लेकिन हर क्षेत्र में अवसर की समानता उतनी सहज नहीं है जितनी पुरुषों को है। अपनी योग्यता साबित करने के साथ साथ कई बार महिला होने के नाते भी समस्याओं,भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ता है। पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ साथ कार्यस्थल की जिम्मेदारियों का संयोजन भी बखूबी महिलाएं करती आई है और लगातार कर रही है । लेकिन उनकी दोहरी भूमिका को समझने के साथ ही वर्क डिविजन जो पूर्व में निर्धारित था उसे भी बदलने की आवश्यकता है । सभ्य और पढ़े लिखे परिवारों में आज भी श्रम विभाजन की पूर्व निर्धारित व्यवस्था ही कायम है । जबकि अब वे धनार्जन कर परिवार को आर्थिक सबलता भी प्रदान कर रही है । महिला समानता पर बात करना और महिलाओं का बराबरी को महसूस करना, दोनों ही बातों में अंतर है । हम समानता पर बात तो करते हैं लेकिन उनके कपड़ों से लेकर वे कहां जाए कहां नहीं,क्या खाए क्या नहीं तक का निर्धारण कोई और करता है । जिससे महिलाओं की निर्णय लेने की स्वतंत्रता के साथ साथ समानता का अधिकार लगातार बाधित होता रहता है । भारतीय समाज व्यवस्था में महिलाओं की समानता,स्वतंत्रता,अधिकार और उनके प्रति संवेदनशीलता के इर्द गिर्द कई सारे सवाल आज भी मौजूद है जिन पर विमर्श की लगातार दरकार है । शुरुआत हम अपने परिवार से भी कर सकते हैं । जिसमें वर्क डिवीजन के भेद को नजदीक से देखा और समझा जा सकता है । इस महत्वपूर्ण पहल से समाज को महिलाओं के प्रति महिला समानता के प्रति संवेदनशील बनाया जा सकता है । महिला समानता के लिए सिर्फ महिलाओं को सशक्त बनाने से काम नहीं चलेगा समाज को भी महिला समानता के लिए प्रशिक्षित करना होगा तभी महिला समानता के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा और यही इस दिवस की सार्थकता होगी । ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स (GGI) 2024 के अनुसार भारत वैश्विक स्तर पर 129वें पायदान पर है । भारत में महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व की बात करें तो हम 65वें पायदान पर है । महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को 'भारतीय उद्योग परिसंघ' के अनुसार समझा जा सकता है जो बताता है कि प्रमुख कंपनियों में शीर्ष पदों पर महिलाओं की हिस्सेदारी महज 14 प्रतिशत है और सीईओ पद पर उनकी हिस्सेदारी सिर्फ 5 प्रतिशत है । पदोन्नति में लैंगिक पक्षपात और पुरुष उम्मीदवारों को प्राथमिकता देना कार्यस्थल पर महिलाओं की समानता के लिए प्रमुख कारण व अवरोध है । महिलाओं के स्वास्थ्य और जीवन रक्षा के मामले में हम 142वें पायदान पर है। महिलाओं को शैक्षिक अवसर उपलब्ध कराने में हम 112वें स्थान पर है । आज भी हम लिंग आधारित हिंसा और भेदभाव की समस्याओं लगातार से जूझ रहे हैं । महिलाओं के साथ रोज होने वाले कुकर्म,बलात्कार, छेड़छाड़ और हिंसा की घटनाओं को देखा जाए तो इस महिला समानता दिवस पर इसकी प्रासंगिकता पर कई प्रश्न उठाए जा सकते हैं जिनमें समानता कहीं परिलक्षित होती दिखाई नहीं देती है । लेख लिखे जाने तक महिला समानता दिवस 2024 की थीम की घोषणा नहीं की गई है । इसलिए उसका उल्लेख नहीं किया गया है । महिला समानता दिवस की थीम आमतौर पर वैश्विक स्तर पर महिलाओं के सामने आने वाले मुद्दों और चुनौतियों को दर्शाती है और इस खास दिन के कार्यगिमों को निर्धारित करती है ताकि अधिक से अधिक लोगों को महिला समानता के लिए जागरूक व सचेत किया जा सके ।

राजनीतिक पक्षाघात के समय में

विचार

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

राजनीति और समाज में नीतिगत असहमति लोकतंत्र को निखारती है। पर अब तो इसने व्यक्तिगत निंदा का रूप ले लिया है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए मंगलकारी नहीं है। राजनीतिक व्यक्तियों के बीच सत्ता पाने की होड़ में लोकतंत्र का लोक हितकारी रूप विकृत हो रहा है। राजनीति में आपसी समर्थन का आधार व्यक्तिहित और दलहित नहीं, देशहित होना चाहिए।

हमारी राजनीतिक प्रयोगशालाओं से एक-दूसरे पर अविश्वास का वायरस तेजी से बाहर निकल आया है और वह इस बहुविश्वासी और बहुरंगी देश के जीवन की प्रतिरोधक क्षमता को खाये चला जा रहा है। यह अविश्वास का वायरस जिस शरीर में प्रवेश कर जाता है उसमें एक-दूसरे पर दोष लगाकर व्यर्थ ही जीते रहने की आदत पड़ती जाती है। लोग अपने ऊपर कोई राष्ट्रीय जिम्मेदारी लेने को तैयार ही नहीं होते। यह अविश्वास का वायरस सब में अधिकार मांगने की राजनीतिक चतुराई तो खूब विकसित कर देता है पर देश के जीवन के प्रति कर्तव्य को भुला देता है।

देखने में आ रहा है कि जनता की चुनी हुई राज्य सरकारें अपने कर्तव्य से विमुख होकर केन्द्रीय सरकार से लड़ रही हैं। केन्द्रीय सरकार भी राज्य सरकार से भिड़ रही है। इस लड़ंत-भिड़ंत में देश के बेबस और असहाय जनों की आवाज़ सुनायी नहीं पड़ती। ऐसा लगता है कि जनता के चुने हुए प्रतिनिधि ही एक-दूसरे के अन्याय के शिकार हैं। तब जनता की बात कौन सुने? लोकतंत्र पर विचार करने वाले लोगों ने यह याद दिलाया है कि हम जो व्यवस्था देश की समस्याएं हल करने के लिए बनाते हैं अगर वही व्यवस्था खुद समस्या बन जाये तब लोकतंत्र चल ही नहीं सकता। यह एक गंभीर विचारणीय प्रश्न है।

कोई भी लोकतंत्र आपसदारी के अध्यात्म से ही दीर्घायु बना रह सकता है। पर यह अविश्वास का वायरस देश के शरीर में नफ़रत से भरी राजनीतिक प्रतियोगिता और विचारशून्य मानसिक आलस्य की उन कोशिकाओं को विकसित करता रहता है

जिनके बीच आपसी सद्भाव की नसें-नाड़ियां सिकुड़ने लगती हैं और जिसके कारण लोकतंत्र के लकवाग्रस्त होने का ख़तरा बना रहता है।

हम 'राजनीतिकः पक्षाघात' के समय में जी रहे हैं। देश में लोकतंत्र का शरीर ढह रहा है। अगर लोकतंत्र को देश के जीवन में उतार लाने की राजनीतिक अभिलाषा हमारे नेताओं के मन में पल रही हो तो वह इस बात से पहचानी जायेगी कि देश के जीवन से विषमता की बिदाई हो रही हो, जीवन में न्याय की प्रतिष्ठा हो और आपसी बैर का अभाव हो गया हो। देश के लोगों को सिवा अपने मन को जीतने के अलावा किसी और को बलात् जीत लेने की चाह न बची हो। लोग ही आपस में सुरक्षित महसूस करें। लोकतंत्र सामूहिक संयम को साधे बिना चल ही नहीं सकता।

यह सब आपसी विश्वास से ही संभव है। महामारियों के टीके बनते रहते हैं। अब हमें लोकतंत्र के सत्य की प्रयोगशाला में इस अविश्वास की महामारी से बचने का टीका खोज लेना चाहिए। यह टीका राष्ट्र की अस्मिता को बचाने के लिए बहुत ज़रूरी है।

किशोरों व युवाओं में तेजी से बढ़ती बॉडी शेमिंग

बॉडी शेमिंग एक तरह की हीनभावना है या इसे आत्मग्लानि भी कहा जा सकता है.. जो खुद के शरीर की बनावट को लेकर होता है. जैसे बॉडी शेमिंग का सीधा सा मतलब है, किसी की बॉडी को लेकर नेगेटिव कमेंट्स करना. ये किसी की लंबाई, मोटापा, बाल, उम्र, कपड़ों, खानपान, सुंदरता और आकर्षण किसी भी चीज को लेकर हो सकता है. जैसे यदि कोई व्यक्ति ज़रूरत से अधिक मोटा है तो उसे लगता है कि वह अपने मुटापे के कारण अच्छा नहीं दिखता इसलिए उसे कोई पसंद नहीं करता. कोई उसे अपना दोस्त बनाना नहीं चाहता उसकी मौजूदगी उसके अन्य दोस्तों के लिए शर्मिंदगी का कारण बन जाती है. ऐसा ही विपरीत परिस्थिति में भी होता है. ज़रूरत से ज्यादा पतले- दुबले, गोरे- काले और भी ना जाने कितनी ही ऐसी बाते हैं जिनके कारण लोगों को यह बॉडी शेमिंग की समस्या होती है.

समाज

पल्लवी सक्सेना

इंग्लैंड निवासी लेखक

आधुनिक युग में किशोर एवं नवयुवक बच्चों में बॉडी शेमिंग की यह समस्या बहुत तेजी से बढ़ रही है. जो की धीरे -धीरे एक बहुत ही गंभीर और जटिल समस्या का रूप लेने लगी है जल्द ही यदि इसका कोई पुख्ता समाधान नहीं ढूंढा गया. तो आगे चलकर यह एक मनोरोग में बदल सकता है. इससे भयावह और क्या ही हो सकता है. लेकिन आगे कुछ भी कहने से पहले या बढ़ने से पहले हमें यह समझना होगा कि आखिर यह बॉडी शेमिंग है क्या चीज.

तो बॉडी शेमिंग एक तरह की हीनभावना है या इसे आत्मग्लानि भी कहा जा सकता है.. जो खुद के शरीर की बनावट को लेकर होता है. जैसे बॉडी शेमिंग का सीधा सा मतलब है, किसी की बॉडी को लेकर नेगेटिव कमेंट्स करना. ये किसी की लंबाई, मोटापा, बाल, उम्र, कपड़ों, खानपान, सुंदरता और आकर्षण किसी भी चीज को लेकर हो सकता है. जैसे यदि कोई व्यक्ति ज़रूरत से अधिक मोटा है तो उसे लगता है कि वह अपने मुटापे के कारण अच्छा नहीं दिखता इसलिए उसे कोई पसंद नहीं करता. कोई उसे अपना दोस्त बनाना नहीं चाहता उसकी मौजूदगी उसके अन्य दोस्तों के लिए शर्मिंदगी का कारण बन जाती है. ऐसा ही विपरीत परिस्थिति में भी होता है. ज़रूरत से ज्यादा पतले- दुबले, गोरे- काले और भी ना जाने कितनी ही ऐसी बाते हैं जिनके कारण लोगों को यह बॉडी शेमिंग की समस्या होती है. बहुत हदतक ऐसा वास्तव में इनके साथ घटता भी है. तो यह तो हुई बात की बॉडी शेमिंग होती क्या है और क्यूँ होती है. अब बात करते है इसका

किशोरों और युवाओं पर असर क्या पड़ता है.

आधुनिक जीवन शैली के चलते गलत खानपान के साथ तेजी से घटते शारीरिक व्यायाम के चलते युवाओं और किशोरों में तेजी से मुटापा और उससे सम्बन्धित रोग जैसे थ्यरोइड, मधुमेह, रक्तचाप, आदि जैसे गंभीर रोग भी तेजी से बढ़ रहे हैं जिसके चलते किशोरों और नवयुवकों दोनों के ही मन में अपने शरीर को लेकर एक तरह की हीनभावना घर कर लेती है जिसके कारण यह लोग बहुत हदतक अपने काम में और अपनी पढ़ाई में एकाग्रता नहीं रख पाते. जिसका असर इनके सम्पूर्ण व्यक्तित्व पर पड़ता है. यह हमेशा हर जगह खुद को दूसरे से कम आंकते है. फिर धीरे धीरे लोगों से मिलना और घर से निकलना भी छोड़ देते है क्यूंकि इन्हें ऐसा लगने लगता है कि सामने वाला भी इनकी इस कमी को चलते इन्हें काबिल नहीं समझेगा और उनका मज़ाक उड़ाये गा. फिर भले ही सामने वाला व्यक्ति इनके विषय में ऐसा सोचे या ना सोचे पर इनके मन में यह धारणा सदैव बनी रहती है. जिसके कारण यह धीरे -धीरे अकेला रहना पसंद करने लगते है. जिसका सीधा असर इनके व्यवहार में देखने लगता है.

यह लोग बहुत चिड़चिड़ी प्रवर्ती के हो जाते है कई बार आक्रामक भी. क्यूंकि अकेले रहते-रहते कहीं ना कहीं अवसाद भी इनके अंदर जन्म लेने लगता है और इनके ऐसे व्यवहार का कारण बन जाता है.

अब सोचने वाली बात यह है कि आखिर इस समस्या से निपटा कैसे जाए...? तो मुझे लगता है जब तक हम खुद को पसंद नहीं करते हमें कोई और कभी पसंद नहीं करेगा औरों से पहले हमें खुद को स्वीकार करना होगा जैसे हम है वैसे, बिना किसी ओर की परवाह किए कि कौन क्या सोचेगा और जिस दिन हम खुद को खुशी खुशी स्वीकार करना शुरू कर देंगे उस दिन से यह दुनिया भी हमें खुशी खुशी स्वीकार करने लगेगी और हमारे अंदर वह देख पायेगी जो हमारी खूबी है. जो हम हैं. वो कहते है ना 'डर के आगे जीत है' तो हमें अपने डर का सामना भी खुद ही करना होगा और उसका एक ही रास्ता है बिना किसी कि परवाह किए अपने हुनर पर अपनी कला अपने काम पर काम करना क्यूंकि जहाँ आप नहीं बोल पाते वहाँ आपका काम और उससे मिली कामयाबी बोलती है. और जब वो बोलती है ना तो सबके मुंह बंद हो जाते है.

शहर में अब बिना नाली के नहीं बनेगी एक भी सड़क

सड़कों की दुर्दशा पर बिफरे विधायक, पीडब्ल्यूडी से करवाएंगे उत्कृष्ट सड़कों की जांच, अस्थाई गड्ढे

बैतूल। शहर में उत्कृष्ट समेत अन्य सड़कों के बारिश में बुरे हाल और आम लोगों की जबरदस्त नाराजगी के बाद विधायक हेमंत खंडेलवाल खासे नाराज नजर आए। कांग्रेसियो के सड़क पर प्रदर्शन के बाद आनन-फानन में विधायक ने नगरपालिका बैतूल के बाल मंदिर भवन में नपा के अधिकारियों-जनप्रतिनिधियों की बैठक लेकर सड़कों की दुर्दशा पर काफी नाराजगी जताई। अधिकारियों द्वारा दिए तर्क के बाद उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भविष्य में जहां पर भी डामरीकरण वाली सड़क का निर्माण होगा, वहां पर पहले नालियां बनाई जाएगी। बिना नाली के कोई भी सड़क नहीं बनेगी। ऐसी जगह सीसी सड़क का ही निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही सड़कों की दुर्दशा और बड़े गड्ढे होने पर कलेक्टर को पत्र लिखकर पीडब्ल्यूडी से जांच कराने के भी फरमान जारी किए हैं। नपा के सभागृह में दोपहर शुरू हुई बैठक में शहर की चार उत्कृष्ट सड़कों के अलावा अन्य जगह भी बड़े गड्ढे होने पर विधायक हेमंत खंडेलवाल ने आनन फानन में बैठक बुलाई। बैठक में नपाध्यक्ष पार्वती बारस्कर, उपाध्यक्ष महेश राठौर, लोकनिर्माण के सभापति विकास प्रधान, सभापति पिंटू परिहार, पार्षद आनंद प्रजापति, रघुनाथ लोखंडे, राजेश पानकर, सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया, एई नीरज धुर्वे, सब इंजीनियर ब्रजेश खानूरकर, पीडब्ल्यूडी के सब इंजीनियर अखिलेश कवड़े आदि मौजूद रहे। विधायक द्वारा आनन फानन में बुलाई इस बैठक में शहर की सड़कों पर करीब एक घंटे तक मैराथन चर्चा चलते रही। इस दौरान विधायक ने कई सख्त

निर्देश देकर व्यवस्थाएं दुरुस्त बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

अक्टूबर से होगा डामरीकरण, पहले सुधरेंगे हालात- इस दौरान विधायक ने सड़कों की हालत पर चिंता जाहिर करते कहा कि लोगों को चलने में बड़ी परेशानियां हो रही हैं। ठेकेदार की लापरवाही के कारण सड़कों की स्थिति बुरे हाल में पहुंच गई है। उन्होंने खराब हुई सड़कों पर बारिश खत्म होते ही 1 अक्टूबर से डामर की नई लेयर करने के निर्देश दिए। इससे पहले सड़कों पर निकल आए गड्ढों को तत्काल भरने की भी हिदायत दी गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नाली नहीं होने के कारण सड़कों पर पानी जमा हो रहा है। इसलिए सड़कें गारंटी के पहले ही खत्म हो रही है। इसी वजह भविष्य में बनने वाली डामरीकरण सड़क बनाने के पहले नाली निर्माण किया जाए। इसी के बाद डामरीकरण हो।

घटिया सड़क की जांच होगी- इस दौरान उन्होंने शहर की चार उत्कृष्ट सड़कों की हालत खस्ताहाल होने पर खासी चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि गारंटी के पहले सड़क खस्ताहाल हो चुकी है। इसके लिए संबंधित ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। पहले नपा के अधिकारी कलेक्टर को घटिया सड़क की जांच के लिए पत्र लिखे, ताकि पीडब्ल्यूडी से सड़क की जांच कराई जा सके। यदि खस्ताहाल सड़क बनाने में ठेकेदार की लापरवाही सामने आती है तो कार्रवाई भी तय की जाएगी। उल्लेखनीय है कि जो सड़कें खस्ताहाल हुई है, यह कायाकल्प अभियान के तहत बनी थी। इसके बावजूद सड़क की हालत इतनी दयनीय स्थिति में पहुंच गई।

जून से पहले हुए टेंडर के काम अक्टूबर में शुरू करें- इस दौरान ठेकेदारों की लापरवाही का भी मुद्दा बैठक में उठा। दरअसल अधिकारियों ने बताया कि कई ठेकेदार टेंडर लेने के बाद समय पर काम शुरू नहीं कर रहे हैं। इस पर विधायक खंडेलवाल ने दो टूक शब्दों में कहा कि ठेकेदार कोई भी हो, जून से पहले जितने भी कामों के टेंडर हुए हैं। 1 अक्टूबर से पहले इन कामों को हर हाल मतें शुरू किए जाए। जो ठेकेदार काम शुरू नहीं कर रहा है। उसके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाकर कार्रवाई करने के निर्देश भी सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया को दिए गए।

सड़कों की हालत पर कांग्रेस का प्रदर्शन

सड़क के गड्ढों में गाड़ दिए भाजपा के झंडे, कांग्रेसी बोले बारिश में बह जाता है विकास

बैतूल। शहर की सड़को पर हो गए बड़े-बड़े गड्ढों में आज कांग्रेसियों ने भाजपा के झंडे गाड़े और वहां बेशरम की टहनियां लगा दी। कांग्रेसियों ने इसे नगरपालिका में फैले भ्रष्टाचार का नतीजा बताया। पूर्व विधायक निलय डागा ने कहा कि भाजपा का विकास हर बारिश में बह जाता है। पूर्व कांग्रेस विधायक निलय डागा और कांग्रेस जिलाध्यक्ष हेमंत वागद्रे के नेतृत्व में जिला कांग्रेस कमेटी के बैनर तले एक दर्जन से ज्यादा कांग्रेसी आज बैतूल गंज इलाके में इकट्ठा हुए और अपना विरोध दर्ज कराते हुए प्रदर्शन किया। उन्होंने आबकारी कार्यालय मार्ग और गंज के मुख्य मार्ग पर एचडीएफसी बैंक वाली सड़क पर पहुंचकर खराब हो गई सड़को को लेकर विरोध जताया। कांग्रेसियों ने इस दौरान सड़को में हो गए बड़े बड़े गड्ढों में भाजपा के झंडे गाड़ दिए। यही नहीं उन्होंने इन गड्ढों में बेशरम की झाड़ियां भी लगा दी। आरोप है कि महज छह माह पहले बनी सड़के पूरी तरह बरबाद हो गई है। यह नगरपालिका में फैले भ्रष्टाचार की वजह से हो रहा है। पूर्व कांग्रेस विधायक निलय डागा में कहा कि पिछले छह माह में सड़को का इतना घटिया निर्माण हुआ है कि सारी सड़के उखड़ गई है। सड़को पर दो से तीन फुट के गड्ढे हो गए है, अब गड्ढों में सड़क ढूंढना पड़ रहा है। भाजपा का विकास हर बारिश में बह जाता है। जनता के लिए इनका विकास टेंपरेरी और खुद का विकास परमानेंट रहता है। इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हेमन्त वागद्रे ने खराब सड़कों को लेकर नपा बैतूल पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 6 माह के दौरान शहर में जितनी भी सड़कों का निर्माण किया गया, वे सभी सड़के अल्पकाल मे ही खराब हो चुकी हैं। सड़कों पर इतने बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके हैं कि लोग इन गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। लोग बाइक पर अपने परिवारों के साथ जाते है तो घटिया सड़को पर गिर रहे है, यह भ्रष्टाचार का बड़ा उदाहरण है। इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेता धीरू शर्मा, अनुराग मिश्रा, सुनील जेंधे, सरफराज खान, प्रशांत राजपूत, राहुल परते, पार्नषद फीस खान, सोमेश त्रिवेदी, प्रणय पाठक सहित कई कांग्रेसी शामिल थे।

पाथाखेड़ा पुलिस द्वारा खदानों में चोरी करने वाले शातिर को किया गिरफ्तार

2 माह में 10 से अधिक चोरों को खदान चोरी से सम्बन्धित मामलों में भेजा चुका है जेल

बैतूल। पुलिस अधीक्षक महोदय निश्चल एन झारिया के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी एंव अनुविभागीय अधिकारी रोशन जैन के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सारणी अरविंद कुमरे एवं चौकी प्रभारी उनि वंशज श्रीवास्तव द्वारा आये दिन डब्ल्यूसीएल खदानों मे रात्रि के समय अज्ञात चोरों द्वारा केवल (तार) चोरी कर ले जाने वाले चोरों की तलाश पतारसी की जा

रही थी। इसी तारतम्य में गत 8 जुलाई 24 की रात्रि में करीबन 12.30 बजे तवा-01 खदान से अज्ञात चोरों द्वारा केवल (तार) चोरी कर ले जाने पर थाना सारणी में अपराध क्रमांक 343/24 धारा 331(4), 305(ई) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया जाकर आरोपियों की तलाश पतारसी के सिलसिले में दिनांक 02.09.2024 पाथाखेड़ा पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना दी गई कि उक्त मामले में शामिल शातिर चोर ड्रीलिंग कैम्प के बंद खण्डहर में एक व्यक्ति खदान में चोरी का माल बेचने के फिराक में खडा हुआ है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस व्दारा तत्काल टीम गठीत कर ड्रीलिंग कैम्प के पास पहुँची, जहाँ से आरोपी बाबूलाल सल्लाम पिता हलवन सल्लाम उम्र 20 साल नि. हीरापल्ला, तह. घोड़ाडोंगरी को धर दबोचकर आरोपी की निशानदेही पर चोरी का माल कीमत करीब 10000 रुपये का बरामद कर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया। आरोपी बाबूलाल सल्लाम पूर्व में भी खदानों में चोरी से सम्बन्धित मामलों में जेल जा चुका है ।

किराना दुकान में चोरों ने लगाई सेंध, 12 हजार नकदी सहित सामग्री पर किया हाथ साफ

बैतूल। सांईखेड़ा थाना अंतर्गत ग्राम बानूर में शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने किराना दुकान को अपना निशाना बनाते हजारों रुपए नकदी और किराने की सामग्री पर हाथ साफ कर दिया। घटना का पता तब चला जब रविवार दुकान मालिक अपनी दुकान पर पहुंचा और ताले टूटे हुए देखे। अंदर पूरा समान अस्त व्यस्त पड़ा हुआ था। इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना

स्थल का निरीक्षण करने के बाद पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्राम बानूर निवासी मुन्ना पाटेकर करीब 25 साल से किराने की दुकान संचालित कर रहे हैं। रोजाना के तरह शनिवार रात्रि 10 बजे वे दुकान बंद कर के अपने घर चले गए थे। रविवार सुबह 7 बजे जब वे दुकान खोलने के लिए पहुंचे तो दुकान में लगा ताला नीचे पड़ा हुआ था। दरवाजे के हैंडल भी टूटा हुआ दिखाई दिया। देखते ही देखते ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। दुकान का सामान बिखरा हुआ पड़ा था। दुकानदार के मुताबिक चोरों ने करीब 12 हजार की नगदी सहित किराना सामग्री पर हाथ साफ कर दिया था। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गयी। निरीक्षण के बाद पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इधर संभावना जताई जा रही है कि, पोला और कर दोनों त्योहार ग्रामीण इलाकों में मनाए जा रहे हैं। हो सकता है कि किसी शराबियों या फिर असामाजिक तत्वों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया हो। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है।

राष्ट्रीय पोषण माह के तहत आंगनवाड़ियों में हुए आयोजन, स्कूली बालिकाओं ने निकाली रैली

बैतूल/ मुलताई। मुलताई में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत स्कूली बालिकाओं ने रैली निकाली। बताया जा रहा है कि पोषण माह के अन्तर्गत मुलताई के समस्त आंगनवाड़ी केंद्रों पर विभिन्न आयोजन संपन्न हुए। जिसमे मुख्य रूप से स्कूली बालिकाओं द्वारा रैली निकाली गई। जिन्हें वार्ड पार्षद एवम सभापति महेंद्र

पिल्लू जैन ने रवाना किया। शास्त्री वार्ड स्थित आंगनवाड़ी से शुरू हुई इस रैली के माध्यम से सही पोषण से देश रोशन का संदेश दिया गया। वही एनीमिया में आयरनयुक्त भोजन पदार्थ एवम स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य पदार्थों के सेवन हेतु जागरूक किया गया। रैली प्रभारी परियोजना अधिकारी कांता गुजरे, पर्यवेक्षक गीता मालवीय, सकू गलफट, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रजनी परिहार, शारदा साहु, वंदना मोरे आदि उपस्थित रही।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज लंबित शिकायतों का 5 सितंबर तक करें 80 प्रतिशत निराकरण: कलेक्टर

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को अधिकारियों की बैठक लेकर समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज लंबित शिकायतों का 5 सितंबर तक 80 प्रतिशत निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन, एडीएम श्री राजीव नंदन श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर श्री मकसूद अहमद सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने एक पौधा मां के नाम अभियान की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि जिले में जितने भी पौधे लगाये गये हैं उनकी फोटो वायुदूत एप्प पर अपलोड करें। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में गंभीरता एवं अति संवेदनशीलता के साथ काम करें और शिकायतों के निराकरण में तेजी लाए। किसी भी विभाग की 50 दिन से अधिक शिकायत लंबित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज लंबित शिकायतों का आगामी 5 सितंबर में 80 प्रतिशत निराकरण किए जाने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। बैठक में शासन के निर्देशों के अनुरूप प्रातः 10 बजे सभी कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कार्यालयों में सार्थक एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि 3 सितंबर को भीमपुर में जनसुनवाई की जाएगी।

स्कूल बसों की जांच किए जाने के दिए निर्देश- कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया कि वे पुलिस के साथ समन्वय कर स्कूल बसों की जांच करें और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वाली बसों को जब्त करने की कार्यवाही करें। साथ ही सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्र के लोक सेवा केन्द्रों का सतत निरीक्षण करें और इसके माध्यम से आम जन को मिलने वाली सेवाओं का लाभ तय समय सीमा में मिल सकें।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नल जल योजना के कार्यों का किया औचक निरीक्षण

कार्य में लापरवाही बरतने पर तीन ठेकेदारों के अनुबंध तत्काल किए निरस्त

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को चिचोली विकासखंड के ग्राम कोडर, हर्रावाड़ी, सीताडोंगरी एवं चुनागोसाई में जल जीवन मिशन के तहत नल जल योजना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर ने तीन ठेकेदारों के अनुबंध तत्काल निरस्त किए जाने के निर्देश पीएचई के ईई दिए। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर नल जल योजनाओं के कार्यों की जानकारी भी ली।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने ग्राम कोडर तथा हर्रावाड़ी की नल जल योजनाओं की गुणवत्ता का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान मेसर्स देशमुख कृषि एजेंसी के द्वारा कार्यों में लापरवाही बरतने के कारण तत्काल अनुबंध को निरस्त किए जाने के निर्देश पीएचई के ईई को दिए गए। इसके बाद कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने ग्राम सीताडोंगरी पहुंचकर क्रियान्वित नल जल योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री सूर्यवंशी ने ठेकेदार मेसर्स इंदरजीत सिंह गौरैया को 15 दिनों में कार्य पूर्ण कर पंचायत को हैंडओवर किए जाने के निर्देश दिए। ग्राम चुनागोसाई में नल जल योजना चालू पाई गई। कलेक्टर द्वारा ग्रामीणों को समय पर जलकर राशि जमा किए जाने की सलाह दी, ताकि योजना सतत चालू रहे। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने निरीक्षण के पश्चात पीएचई के ईई को निर्देशित किया कि जिले में स्वीकृत ग्रामों की नल योजनाओं के कार्य निर्धारित समय अंतराल में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित कराएं। गुणवत्ता विहीन और समय पर कार्य पूर्ण नहीं करने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध टर्मिनेट करने की कार्रवाई भी की जाए।

11 ग्रामों के अनुबंध किए निरस्त- पीएचई के ईई आर एल सेकवार ने बताया कि कलेक्टर श्री सूर्यवंशी के निर्देश पर मेसर्स शेखर हिरपुरकर भैंसदेही विकासखंड के अमरावती के पांच ग्राम, चिचोली विकासखंड में मेसर्स देशमुख कृषि एजेंसी के तीन ग्राम एवं आमला विकासखंड में मेसर्स पूनम कुमारी के तीन ग्राम, इस प्रकार 11 ग्रामों के अनुबंध निरस्त कर ठेकेदार की सुरक्षा निधि, ईएमडी अन्य समस्त राशि राजसात किए जाने की कार्रवाई की गई है। साथ ही पूर्व में 14 अनुबंध में 41 ग्रामों के ठेकेदार के अनुबंध निरस्त की कार्रवाई की जा चुकी है।

रखरखाव के अभाव में भविष्य तलाश रहा चंदोरा बांध, मुलताई सिंचाई डिवीजन समाप्ति की ओर

बैतूल/ मुलताई। विश्व बैंक की सहायता से करोड़ों की लागत से बनी मुलताई क्षेत्र की प्रथम मध्यम सिंचाई परियोजना चंदोरा बांध रखरखाव के अभाव मे भविष्य तलाश रही है। चंदोरा बांध के टॉप लेवल, अप पोर्शन एवं डाऊन पोर्शन में बड़ी-बड़ी झाड़ियां उग आई है और झाड़ियों ने पेड़ का रूप लेना प्रारंभ कर दिया है। जानकारों का मानना है कि इन पेड़ों की जड़े बांध को नुकसान पहुंचा सकती है अनेक स्थान पर पिचिंग के पत्थर जगह छोड़ने लगे हैं। चंदोरा बांध का सबसे चिंता का विषय आर. डी. 610 से 840 के मध्य का वह भाग है जो 31 जुलाई 1991 की सुबह फूट गया था गया था जिसकी याद कर आज भी क्षेत्र के किसान सिहर उठते हैं। इस भाग में पुनर्निर्माण के एक दशक बाद भी दरारें आती रही और वर्षा काल के आते ही बांध के मुहाने पर बसे लोगों की बेचैनियां बढ़ जाती थी। तत्कालीन कार्यपालन यंत्री एल पी दुबे के अथक प्रयासों के बाद केंद्रीय सिंचाई वैज्ञानिक डॉक्टर थॉमस ने चंदोरा बांध का दौरा कर सुधार कार्य सुझाए। ढ़हे नए और पुराने भाग के जोड़ पर टोह वाल का निर्माण हुआ एलपी दुबे के प्रयासों से चंदोरा बांध मे प्रथम बार जल संग्रह कर सिंचाई योग्य योग्य बनाया गया।

चंदोरा बांध की लाइटिंग व्यवस्था भी हुई ठप- संवेदनशील बांध होने के कारण इसकी सतत मॉनिटरिंग की जा सके इसके लिए सेंटर स्पिलवे तक लाइटिंग की व्यवस्था की गई थी जो वर्तमान में बंद है वर्षा काल में जहां सिंचाई विभाग को अलर्ट होना चाहिए

वहां पर सिंचाई विभाग की लापरवाही गंभीर संकट हो सकती है। चंदोरा निवासी राहुल नरवरे बताते हैं कि चंदोरा बांध हमारी जीवन रेखा है । वर्तमान बांध की स्थिति देखकर हमें चिंताएं होती है। बांध की रखरखाव के अभाव में स्थिति निरंतर बिगड़ती जा रही है और चिंता की बात यह है कि मुलताई सिंचाई विभाग कार्यालय में कोई सुनने वाला अधिकारी नहीं है। ग्रामीणों की समस्या यह है कि वह अपनी पीड़ा किसे बताएं।

ना अधिकारी है न कर्मचारी कौन सुने फरियाद- मुलताई सिंचाई डिवीजन के अंतर्गत मुलताई, आमला, पट्टन, आठनेर चार उप संभाग आते हैं किंतु इतने महत्वपूर्ण सिंचाई डिवीजन में बीते तीन वर्षों से कार्यपालन यंत्री नहीं है। विपिन वामनकर एसडीओ को मुलताई कार्यपालिका यंत्री का प्रभार दिया गया है किंतु उनके पास भी बैतूल डिवीजन का भी प्रभार है और वह जिला मुख्यालय बैतूल में ही रहते हैं । एसडीओ नाम न छापने की शर्तें बताते हैं कि कर्मचारियों के भी ट्रांसफर हो गए हैं डिस्पैच तक हम खुद को करना पड़ता है।

सिंचाई मंत्री से करेंगे चर्चा- विधायक देशमुख- क्षेत्र में सिंचाई का रकबा बढ़ाने को लेकर हमेशा गंभीर राजनीति करने वाले भाजपा विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने इस संबंध में कहा कि मुलताई में कार्यपालन यंत्री की नियुक्ति एवं इंजीनियरों की कमी को लेकर सिंचाई मंत्री को पत्र भी लिखेंगे और कल स्कूल लेकर भोपाल जा रहे हैं सिंचाई मंत्री से व्यक्तिगत रूप से मिलकर इस समस्या का हाल कराएगे।

इनका कहना...

चंदोरा बांध की के सुधार कार्य के लिए सिंचाई विभाग द्वारा लगभग 18 करोड रुपए की एक योजना बनाई गई है जो प्रस्तावित है योजना स्वीकृत के बाद बांध का सुधार कार्य कराया जाएगा

- शिवकुमार नागले, उपयंत्री जल संसाधन विभाग मुलताई

पर्यूषण पर्व सत्य-अहिंसा का मार्ग और क्षमा का संदेश

पर्यूषण पर्व के दूसरे दिन प्रियता श्रीजी महाराज साहब ने दिया प्रवचन, सत्य-अहिंसा और क्षमा के महत्व पर दिया मार्गदर्शन

बैतूल। पर्युषण पर्व के दूसरे दिन बैतूल के स्थानक भवन में आचार्य प्रवर 1008 परम पूज्य रामलाल जी महाराज साहब की सुशिष्या प्रियता श्रीजी महाराज साहब ने प्रवचन दिया, जिसमें उन्होंने जैन धर्म के मूल सिद्धांतों, सत्य, अहिंसा और क्षमा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत में कई धर्म हैं, जिनके अलग-अलग मत और विश्वास हैं, लेकिन जैन धर्म एकमात्र ऐसा धर्म है जो सत्य और अहिंसा को अपना परम लक्ष्य मानता है। इस धर्म का आधार तप और जप है, और पर्यूषण पर्व के आठ दिनों में इन तपों का पालन करने से हमारे कर्मों की निर्जरा होती है, जिससे पिछले कई जन्मों के बुरे कर्म समाप्त होते हैं।

Name change

Sunil kumar Dwivedi S/0 Shri Ramashray Dwivedi Resident of - 324 Dwivedi Bhawan, Chandrashekhar w and no. 15.changed my name to Sunil Dwivedi

Name change

Tarung Dwived w/o shri Sunil kumar Dwivedi Resident of 324, Dwivedi Bhawan Chandrashekar ward no.15 changed my name to. Taruna Dwivedi w/o Shri Sunil Dwivedi

स्वरचित दो पुस्तकों का विमोचन समारोह सम्पन्न

देवास। ठाकुर विजय बहादुर सिंह राठौड़ आभास देवास द्वारा स्वरचित दो पुस्तकों का विमोचन संपन्न हुआ। रोटरी क्लब देवास अध्यक्ष गोवर्धन सिंह ठाकुर के सौजन्य से इस कार्यक्रम में श्री राठौड़ की प्रथम पुस्तक स्व. कृतित्व एक शाब्दिक संकलन जो की राठौड़ जी का एकल काव्य संकलन है, जिसमें जीवन के हर पहलुओं, हर मौसम, हर त्यौहार एवं ऐसे कई विषयों को शाब्दिक रूप से छुआ है। जिसमें बचपन की अठखेलियां को देश के प्रति प्रेम, किसान के चरित्र, प्रकृति की व्यवस्थाओं को कविता के

माध्यम से शाब्दिक रूप दिया है। स्व सृजन एक अंतहीन यात्रा जिसमें देवास के उभरते रियल स्टेट के प्रमुख अजय सिंह बरगोदिया की जीवनी को दो भागों में लिखा गया है। अजय सिंह रॉयल सेल्स ग्रुप के सहयोग से देवास में कई आवासीय प्रोजेक्ट पर सफलतम कार्य कर रहें है। आपके जीवन के प्रारंभिक संघर्ष को दर्शाती यह पुस्तक युवाओं के लिए प्रेरणादायक सिद्ध होगी। दूसरे भाग में लेखक विजय बहादुर सिंह राठौड़ ने अपने आभासीय अनुभव के आधार पर अजय जी के जीवन के सिद्धांतों, नियमों, उनके अचार विचारों को अपनी लेखन कला से सुसज्जित किया है। अतिथियों का ठाकुर विजय बहादुर सिंह राठौड़ ने साफा बांधकर स्वागत किया। परंपरागत अतिथि संस्कारों से प्रारंभ हुए कार्यक्रम में मुख्य आतिथ्य में मुंबई से पधारी कोमल बोलाकानी इंश्योरेंस ट्रेनर, विनायक बापट विख्यात शास्त्रीय संगीतज्ञ, जनार्दन शर्मा मनपसंद हास्य साहित्य कला मंच के प्रमुख इंदौर, पंकज जोशी देवास के वरिष्ठ कवि, ठाकुर नवरत्न सिंह फिल्म अभिनेता, अजय पंडित अध्यक्ष संस्था स्वर गंध देवास, प्रदीप सिंह बोरखेड़ा वरिष्ठ समाजसेवी, भगवान सिंह चावड़ा वरिष्ठ कांग्रेस नेता, अनिल राज सिंह सिकरवार पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष देवास, दीपक पाठक केकेसी क्लब एवं संगीत सेवा सहारा अखबार के प्रमुख इंदौर की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। संचालन देवास की कवयित्री नीलू सक्सेना कस्तूरी ने किया। श्री राठौड़ की प्रथम पुस्तक की स्व कृतित्व की समीक्षा वरिष्ठ साहित्यकार मोहन वर्मा ने बुद्धिजीविता के साथ सारगर्भित रूप से तटस्थता के साथ प्रस्तुत की। राठौड़ जी की द्वितीय पुस्तक स्व सृजन की समीक्षा इंदौर से पधारी मनपसंद हास्य साहित्य कला मंच की अध्यक्षा सुषमा शुक्ला जी ने की। अध्यक्षता कर रहें भगवान सिंह जी चावड़ा ने कार्यक्रम की समीक्षा प्रस्तुत की। वही लेखकीय उद्बोधन के साथ आभार ठा. विजय बहादुर सिंह राठौड़ आभास देवास में किया। दोनों पुस्तको का प्रकाशन साधना कुंज देवास के द्वारा किया। मुख्य रूप से वरिष्ठ समाजसेवी अनुपसिंह जादौन, डॉ राजेंद्र सिंह पंवार, प्रद्युम्न सिंह राठौड़, गुणपाल सिंह पंवार, रोटरी क्लब से पीएन तिवारी, सुधीर पंडित, एवं दैनिक राष्ट्रीय नवाचार प्रमुख धर्मेंद्र पिपलोदिया व अन्य साथी उपस्थित थे।

सीएमएचओ ने ली राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक

नरसिंहपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्री एपी सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को नरसिंहपुर अंतर्गत समस्त सीएचओ, एएनएम एवं एमपीडब्ल्यू द्वारा किये जा रहे राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। समीक्षा बैठक में अनमोल पोर्टल अंतर्गत एएनसी पंजीयन, प्रथम तिमाही पंजीयन, एएनसी की चार जांच, एचआरपीडब्ल्यू, सीवियर, मॉडरेट एवं पीआई मैनेजमेंट, टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत एमआर 1 एवं एमआर 2, टीबी कार्यक्रम एवं एनसीडी कार्यक्रम अंतर्गत इनरोलमेंट, स्क्रीनिंग एवं अन्य संबंधित विषयों की उपस्वास्थ्य केंद्रवार समीक्षा की गई। बैठक में सीएमएचओ ने गर्भवती पंजीयन, प्रथम तिमाही पंजीयन, 4 जांच एवं एनसीडी इनरोलमेंट स्क्रीनिंग जिस उपस्वास्थ केंद्र का लक्ष्य के विरुद्ध उपलब्धी कम पाई गई हैं, उन स्वास्थ्य केंद्र मे पदस्थ सीएचओ, एएनएम एवं एमपीडब्ल्यु का माह अगस्त का वेतन रोकने के निर्देश दिये। बैठक में कर्मचारियों को बेहतर सुधारात्मक कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी, समस्त सेक्टर मेडिकल ऑफिसर, बीपीएम, बीसीएम, बीईई, समस्त सेक्टर सुपरवाइजर मौजूद थे।

त्रिलोकीनाथ 'धारनाथ' के स्वागत में धर्मधरा धारानगरी का पोर- पोर हुआ उल्लासित

अलौकिक– अप्रतिम – अचंभित करने वाला सैलाब, मानों पूरा धार उमड़ आया हो सड़कों पर

(राजेश शर्मा)

देवाधिदेव महादेव के स्वागत में मनोहारी- मनोरम - अलौकिक छटा... उमड़ते- घुमड़ते बादल और बरसती बूंदें भी मानों महादेव का जलाभिषेक कर रही हो... प्रकृति की अनुपम छटा और भक्तों के उमड़ते सैलाब से उत्सव और उल्लासी छटा से हर कोई 'शिवमय' नज़र आ रहा था। धार के राजा... धार के अधिपति... धार के नाथ, जी हाँ भगवान धारनाथ धार के कण- कण और रोम- रोम में समाए हुए है... तभी तो धार की भोर धारनाथ है - शाम धारनाथ है.... उत्सव प्रिय धार शहर के हर बाशिंदे के हृदय में तो बस धारनाथ ही बसते है... और फिर बाबा धार नाथ अपनी प्रजा का हाल जानने निकले तो हजारों- हजार भक्तों के सैलाब से सोमवार का दिन इतिहास के पन्नों पर दर्ज हो गया... धाराधिपति भगवान धारनाथ का मनमोहक - मनभावन स्वरूप में श्रृंगार ,अलौकिक, अप्रतिम छटा देख कर श्रद्धालु भाव विभोर हो गये... ऐसा लग रहा था मानों महाकाल लोक से भूतभावन महाकाल स्वयं दर्शन देने धार की धरा पर आए हो .... नयनाभिराम झांकियों का कारवां- ढोल ताशे और बैंड पर नृत्य करते भक्तों का उत्साह देखते ही बनता था...

जय धारनाथ से गुंजायमान हो उठा गगन

बाबा धारनाथ की महाआरती और पुलिस बल द्वारा गार्ड आफ आनर पेश करने के पश्चात जैसे धारेश्वर मंदिर से छबीना नगर भ्रमण के लिए निकला तो भक्तों द्वारा जय धारनाथ की गुंज से गुंजायमान हो उठा हो गगन । शहर की गलियों- चौराहों पर धारनाथ के भक्तों का कारवां देखते ही बन रहा था।

प्रजा का हाल जानने निकले 'धार' के 'नाथ'....

आज के इस पावन दिन का इंतजार हर धार वासियों को वर्ष भर रहता है। और हो भी क्यों नही आखिर अपनी प्रजा, अपने भक्तों का हाल जानने राजसी वैभव और ठाट बाट से जो निकलते है 'धार' के 'नाथ' । अपने नाथ की एक झलक पाने पलक पावड़े बिछाकर भक्त इंतजार कर रहे थे

धार की भोर धारनाथ है तो शाम धारनाथ.....

धारनाथ तो हर धारा नगरी के बाशिंदों में बसते है। कोई भी उत्सव हो या प्रसंग बाबा धारनाथ के चरणों में और धारेश्वर मंदिर में शीश नवाकर अपने को धन्य मानता है हर शिव भक्त... तभी तो धार की भोर धारनाथ है तो शाम धारनाथ.....

महिला पिछड़ा वर्ग में क्या भाजपा में दूसरी कोई शिक्षित महिला नहीं, संगठन जिसे अध्यक्ष बना सके..?

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

विद्रोही पार्षद कहने लगे महिला पिछड़ा वर्ग में क्या भाजपा में दूसरी कोई शिक्षित महिला नहीं संगठन जिसे अध्यक्ष बना सके..! इससे लगता है नीतू महेंद्र यादव के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव रखे जाने का अब तक विरोध शांत नहीं हो पाया, प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने जिन्हें भोपाल बुलाकर मामला खत्म करवाने का प्रयास किया। कांग्रेसी पार्षद इस पर तंज कस रहे कि भाजपा भ्रष्टाचार को संरक्षण देने वाली पार्टी है जिसने अविश्वास प्रस्ताव रखते ही आनन-फानन में केबिनेट पास कर अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने का समय तीन साल कर दिया। परिषद में नीतू महेंद्र यादव को छोड़कर वैसे तो श्रीमती कंचन चौकसे, नैना सोनी, श्रीमती मालवीय भी पिछड़ा महिला से आती है और सभी पीजी हैं फिर किसी दूसरे पिछड़ी महिला को संगठन अवसर देकर द्वंद खत्म क्यों नहीं करता ..? पंचायती राज में 30 साल बाद महिला पिछड़ा वर्ग को यह मौका मिला.? दरअसल पूर्व कांग्रेसी सांसद जो अब भाजपा से न तो होशंगाबाद के विधायक हैं ना होशंगाबाद नरसिंहपुर के सांसद हैं न जिले के प्रभारी मंत्री..? पर होशंगाबाद में उनकी राजनीतिक दखलंदाजी का सामना पार्टी और विधायक नहीं कर पा रहे, फिर उनके साथ भाजपा में शामिल होने वाले दो सहयोगी कार्यकर्ताओं और बिजनेस पार्टनर की नगरपालिका सहित प्रशासनिक स्तर की दखलंदाजी का नुक़सान नगर भोग रहा है। नगरपालिका उनमें एक से लाखों का पेट्रोल डीजल लेकर उपकृत कर रही और दूसरे को नाले पर बैठाकर मीनाक्षी पर जाम लगवा रही। नपाध्यक्ष के विरुद्ध यहां ऐसे ही विरोध के स्वर नहीं उठे। नगर में विकास के कार्य छोड़िए साफ सफाई ठीक से नहीं हो रहें हैं पूरा नगर अंधकार में डूबा हुआ है, सड़कों पर गड्ढे ही गड्ढे नजर आ रहे। नगरपालिका के पास इतने पैसे नहीं कि वह अखबारों के विज्ञापन का भुगतान हो पाएं। उन्हें जैसे भी बस मौका मिलना चाहिए। नगरपालिका की वित्तीय स्थिति ठीक नहीं, स्थापना में ही एक करोड़ पचपन लाख हर महीने वेतन बंट जाता जिसमें 90 लाख चुंगी क्षतिपूर्ति शासन की शामिल हैं। 15 लाख डीजल पेट्रोल में 30 लाख बिजली का मोटा-मोटा बिल नगरपालिका को भुगतान करना पड़ता है और 30 से 40 लाख रुपए मात्र नगरपालिका की आय विभिन्न मदों में आना है। समझा जा सकता है कि आय को स्त्रोत नहीं बना रही दबंग राजनैतिज्ञ यहां नगरपालिका की मदद क्यों नहीं करते, नगरपालिका की जमीन पर कब्जा कर 56 दुकान का किराया 30 साल से अतिक्रमण कारी वसूल रहा। नगरपालिका मूक दर्शक बनी है। नगरपालिका केवल योजनाओं के दम पर नगर में कुछ करती नजर आ रही है और यह सब हम नहीं कह रहे यह जानकारी नपाध्यक्ष के पति और नगरपालिका में विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव कहते हैं स्वीकारते हैं। ऐसे में यहां एक सवाल उठना लाजिमी है फिर अध्यक्ष पद पर बने रहने का मोह करोड़ों की योजनाओं में रिसन का लाभ अध्यक्ष को तो नहीं..? या इसकी आड़ में जोखिम भरा कोई दूसरा काम पद गरिमा की शोभा तो नहीं..! पार्षदों ने यहां जब लिखित में दे दिया फिर भ्रष्टाचारी को समर्थन क्यों खुद हटे या संगठन हटाएं पार्षद तो अभी भी कह रहे हैं।

श्री हरी सोसायटी एवं लायंस क्लब गोल्ड द्वारा एक दिवसीय निःशुल्क गणेश निर्माण कार्यशाला सम्पन्न

देवास। हर घर में बैठे मिट्टी के गणेश के लक्ष्य के साथ एक दिवसीय निःशुल्क गणेश निर्माण कार्यशाला का आयोजन सर्व श्री हरी सोसायटी एवं लायंस क्लब गोल्ड द्वारा स्वयं के श्री हरी गार्डन में किया। जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों और अन्य लोगों ने माटी के गणेश जी बनाना सीखा। इस मौके पर संस्था अध्यक्ष हीना राठौर द्वारा यह भी संकल्प दिलाया गया की घर-घर में गणेशजी की मिट्टी की प्रतिमा स्थापित हो और पर्यावरण संतुलित बना रहें। जिसके द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का संचालन अभिलाषा शर्मा ने किया, प्रतिभा प्रसाद द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को गणेशजी की प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। उपस्थित जनों ने मिलकर ईको फ्रेंडली मिट्टी के गणेश जी का निर्माण किया व देश के भविष्य बच्चों को प्रकृति से जोड़ा, इस अवसर पर संस्था के सभी साथी हीना राठौर, आशा पटेल, मुस्कान राठौर, प्रतिभा प्रसाद, अभिलाषा शर्मा, शुभांगी राठौर ने सभी को गणेश चतुर्थी की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अंत में आभार आशा पटेल ने माना।

पलकमती नदी की हवाएं!

हीरालाल गोलानी सोहागपुर

रक्षाबंधन पर्व ,तरसे वेतन को - जहां पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान एवं वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव बहनों को राखी उत्सव पर विशेष ध्यान रखते रहे हैं। तब तो नगर पंचायत परिषद को करीबन 60 डेली वेसिज वाले कर्मचारी एवं सफाई कर्मचारी जिसमें करीबन 11 लाड़ली बहनें को तो वेतन देना तो बनता था। लेकिन क्या नगर पंचायत परिषद में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है?

तुम डाल डाल,हम पात पात- अम्बेडकर वार्ड पार्षद हेमलता मोहन कहार ने जब की नालियों की सफाई।तब कहा गया कि अम्बेडकर वार्ड में चार सफाई कर्मचारी व्यवस्था में लगे हैं। पार्षद पति पूर्व पार्षद मोहन कहार भी क्या किसी से कम हैं। उन्होंने पूरे-पूरे अम्बेडकर वार्ड की कीचड़ से लथपथ नालियों के सोशल मीडिया पर फोटो एवं वीडियो डालकर जनता-जनार्दन को नगर पंचायत परिषद की कागजी कारीगरी का खुलासा कर दिया। नगर की जनता-जनार्दन देख रही है, आखिर अम्बेडकर वार्ड क्यों आंख की किरकिरी बना हुआ है। क्या नगर पंचायत के कार्य कागजों में चल रहे हैं?।यह बड़ा सवाल है ?

कमानिया गेट - प्रदेश की दो धरोहर कमानिया गेट । एक जबलपुर एवं एक सोहागपुर में स्थित हैं। इस धरोहर की हमेशा स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस पर सफाई के पुताई, विधुत की रोशनी होती देखी है। सोहागपुर की जनता ने। लेकिन इस साल कमानिया गेट पर काई जमी रही, नहीं हुई पुताई,न हुई रोशनी। स्वतंत्रता दिवस पर नागरिकों ने निहारा कि कहां गुम हो गया रंग रोगन, कहां खो गई स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर विधुत की रोशनी मलाई विभाग में?

वे हैं तो सुनते ही नहीं - अम्बेडकर वार्ड निवासी शेख अनवर पिता स्वगीर्य शेख पापा अपनी स्वीकृति प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि के लिए बड़े पापड़ बेलने पड़ रहे हैं । केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'जनसुनवाई' में इसी मामले को लेकर चार बार लिखित गुहार कर चुका है। लेकिन नगर पंचायत परिषद उस स्वीकृत प्रकरण में राशि देने को कतई तैयार नहीं लगते ? आखिरकार थक-हारकर शेख अनवर ने कलेक्टर महोदया को पोस्ट से आवेदन में अपनी व्यथा लिखी है।देखना दिलचस्प होगा कि क्या विभाग की डायरी लाल होगी?

अंत में- स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व गांव भौखेड़ी में ग्रामवासियों ने गांव में बेची जा रही शराब कांग्रेस के धाकड़ नेता जी ने पकड़ ली। हैं न मजेदार बात। इधर सोशल मीडिया पर चल रहा है? भैया अब गांव गांव शराब? लेकिन इस मामले में एक और बढ़ोतरी हो गई कि जब कांग्रेसियों ने शराब पकड़ी तो उन लोगों का बेचने का कार्य बंद। तो अब कयास लगाए कौन बेच रहे हैं गांव गांव शराब?

तिलक, इंदिरा वार्ड सहित करीबन 40 ग्रामों के आवागमन के रास्ते पर ओवर ब्रिज बनाएं, बैठक संपन्न

सुबह सवेरे सोहागपुर। तिलक वार्ड, इंदिरा वार्ड सहित करीबन 40 ग्रामों के आवागमन के रास्ते ओवर ब्रिज या अन्दर ब्रिज बनाने को लेकर नागरिक संघर्ष समिति की बैठक तिलक वार्ड ग्वालीपुरा मंदिर में संपन्न हुई। इस अवसर पर में पूर्व पार्षद हरगोविंद पाली, भूतपूर्व सैनिक नीलम पटैल, सुरेश दुबे,सुरेश नरवरिया,अधिवक्ता शिवकुमार पटेल,पूर्व पार्षद अज्जू वारसिया, पूर्व पत्रकार संघ अध्यक्ष देवेंद्र कुशवाहा,पत्रकार प्रदीप देवलिया,विवेक दुबे,गोलू राजपूत,विक्की छाबड़िया, गुड्डू कुशवाहा आदि ने इस संदर्भ में अपने अपने विचार रखे। जिसमें कहा गया कि नगर के दो प्रमुख वार्ड तिलक वार्ड, इंदिरा वार्ड के अलावा करीबन 40 ग्रामों का आवागमन संपार गेट से होता है।इन चालीस ग्रामों में अधिकांश आदिवासी बसाहट के ग्राम आते हैं। जो अपनी खरीद-फरोख्त के साथ-साथ आटा वगैरह पिसवाने भी आते हैं। वहीं दोनों वार्डवासियों के बच्चे दूसरी ओर स्कूलों में पढ़ने जाते हैं। उल्लेखनीय है कि नगर समस्त स्कूल दूसरी तरफ हैं। जिससे अभिभावकों के अलावा छात्र छात्राओं को भी रेलवे गेट खुलने के इंतजार में लम्बी देरी तक खड़े रहना पड़ता है। बैठक में यह बात भी उभर कर आई कि बीसियों सालों से नागरिक इस समस्या से पीड़ित हैं। लेकिन राजनैतिक उदासीनता के कारण समस्या का निदान नहीं हो पाया। बैठक के उपरांत संघर्ष

समिति संयोजक वकील शिवकुमार पटैल ने इस प्रतिनिधि को बताया कि रेलवे ओवर ब्रिज,अंडरब्रिज नहीं होने के कारण दो वार्डों के साथ ही 40 से 50 गांव के लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ब्रिज के अभाव में नागरिकों को घंटो खड़े होकर रेलवे गेट के खुलने की प्रतीक्षा करना पड़ती है । आगमी समय में दोनों वार्डो के एवं ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को ओवर ब्रिज की समस्या को लेकर एक साथ लाने का प्रयास किया जाएगा। क्योंकि वर्ष 1997 से लेकर तिलक वार्ड, इंदिरा वार्ड के नागरिक ओवर ब्रिज,अंडरब्रिज की मांग करते आ रहे हैं। हम नगरवासी मिलकर उक्त बात सांसद, विधायक तक पहुंचाने के लिए शीघ्र ही उनसे को समस्या निराकरण करने के लिए मांग पत्र सौंपेगे।आगामी 8 सितंबर को वृहद बैठक का आयोजन शारदा गणेश उत्सव समिति पुराना रेलवे अस्पताल के पास तिलक वार्ड में किया जाएगा। इस बैठक में सभी नागरिकों को उपस्थित रहने का आव्हान किया गया।

भोपाल, उज्जैन, खंडवा में तेज बारिश

● तवा डैम के 3 गेट खोले; खरगोन में स्कूलों में छुट्टी
● बाइक समेत बहे युवक, एक का शव मिला

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में मानसून ट्रफ, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और डीप डिप्रेशन की वजह से बारिश कराने वाला स्ट्रॉन्ग सिस्टम फिर एक्टिव हो गया है। भोपाल, उज्जैन और खंडवा में सोमवार दोपहर में तेज हवा के साथ बारिश हुई। नर्मदापुरम में तवा डैम के तीन गेट चार-चार फीट तक खोलकर 20 हजार क्यूमैक्स पानी छोड़ा जा रहा है।

भोपाल के केरवा डैम के भी 3 गेट खुले हैं। ये गेट ऑटोमैटिक हैं, गवर्निंग लेवल पर पानी आने पर अपने आप खुल जाते हैं। उज्जैन के गंभीर बांध के भी 2 गेट खोलने पड़े हैं। बारिश के चलते खरगोन में सभी स्कूलों में आज अवकाश घोषित किया गया है। इधर, रतलाम में पुल पार करते समय बाइक सवार दो युवक बह गए थे। सोमवार दोपहर को एक का शव मिल गया। दूसरे की तलाश की जा रही हैं।

भोपाल में तेज बारिश, डैम ओवर फ्लो- सितंबर के महीने में भोपाल में करीब 7 इंच बारिश होने का ट्रेंड है। हालांकि, पिछले 10 में से 5 साल ऐसे रहे, जब इससे ज्यादा पानी गिरा है। 65 साल पहले वर्ष 1961 में पूरे महीने 30.2 इंच बारिश होने का रिकॉर्ड है। अबकी बार भी सितंबर की शुरुआत तेज बारिश से हुई है। मौसम विभाग ने सितंबर में अच्छी बारिश होने का अनुमान जताया है। रविवार को केरवा डैम के 8 में से 3 गेट खुल गए। सोमवार को भदभदा और कलियासोत डैम के एक-एक गेट खुले हुए हैं। भोपाल में पिछले 24 घंटे में करीब एक इंच बारिश हो गई। सोमवार सुबह तेज धूप निकलने के बाद दोपहर 1 बजे से मौसम फिर बदला और रुक-रुककर कभी तेज तो कभी हल्की बारिश शुरू हो गई। इससे शहर के कई इलाके तरबतर हो गए हैं। दोपहर में तेज बारिश की वजह से पुराने शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। भोपाल टॉकीज रोड पर सड़क तालाब बन गई और इसमें से होकर लोग गुजरे।

बता दें कि इस मानसून भोपाल में सामान्य से ज्यादा बारिश हो चुकी है। भोपाल की सामान्य बारिश 37.6 इंच है, जबकि इस बार 41 इंच से ज्यादा पानी गिर गया है। यानी, 109 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। जून के बाद जुलाई और अगस्त में रिकॉर्ड बारिश हुई। यही कारण है कि बारिश का आंकड़ा बढ़ता गया। मौसम विभाग ने अगले 4 दिन कभी तेज तो कभी हल्की बारिश होने का अनुमान जताया है। सोमवार सुबह से कभी तेज धूप खिल रही है तो कभी बादल छा रहे हैं। इससे उमस का असर बढ़ गया है।

10 साल में 2 बार 12 इंच के पार आंकड़ा- सितंबर में बारिश के आंकड़ों पर नजर डाले तो वर्ष 2014 से 2023 में 2 बार ऐसा हुआ, जब पूरे महीने 12 इंच से ज्यादा पानी गिरा। 10 साल में सबसे ज्यादा बारिश 2019 में 22.2 इंच हुई थी। पिछले साल 12.8 इंच बारिश दर्ज की गई थी।

भोपाल समेत 14 जिलों में अलर्ट

मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में भोपाल समेत 14 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें आलीराजपुर, बुरहानपुर, खरगोन के महेश्वर, खंडवा के ओंकारेश्वर, बड़वानी के बावनगजा, राजगढ़, सीहोर, रायसेन के सांची और भीमबेटिका, विदिशा के उदयगिरि, सागर, देवास, इंदौर और शाजापुर में आकाशीय बिजली गरजने-चमकने और गिरने के साथ मध्यम बारिश हो सकती है। इसी तरह बैतूल, नर्मदापुरम के पचमढ़ी, नरसिंहपुर, भिंड, ग्वालियर, दतिया, टीकमगढ़, निवाड़ी, शिवपुरी, झाबुआ, धार के मांडू, छिंदवाड़ा, हरदा, सिवनी, छतरपुर के खजुराहो, दमोह, अनूपपुर के अमरकंटक, गुना, अशोकनगर, उज्जैन, रतलाम और जबलपुर में भी हल्की बारिश का अनुमान है।

3 दिन प्रदेश में तेज बारिश का दौर

मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 3 दिन प्रदेश में तेज बारिश का दौर बना रहेगा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक प्रकाश दावले ने बताया कि सितंबर में अच्छी बारिश होने का अनुमान है। स्ट्रॉन्ग सिस्टम का असर अगले 24 घंटे के दौरान ज्यादा रहेगा।

उ.प्र. की तर्ज पर म.प्र. में आधार से होगा पुलिस भर्ती में ऑनलाइन वेरिफिकेशन

व्यवस्था को लागू करने के लिए गृह विभाग ने अधिसूचना जारी की

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में अब उत्तर प्रदेश की तर्ज पर पुलिस भर्ती में अभ्यर्थियों का सत्यापन आधार के माध्यम से किया जाएगा। इसकी शुरूआत इसी वर्ष से पांच हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती में चयनित हुए अभ्यर्थियों के सत्यापन से की जाएगी। उप्र में यह व्यवस्था पहले से हैं।

दरअसल, उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती का पेपर लीक होने, अन्य व्यक्ति द्वारा परीक्षा देने आदि घटनाओं की रोकथाम के लिए आधार सत्यापन की प्रक्रिया अपनाई गई। इससे भर्ती प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी सामने नहीं आई है, इसलिए अब मप्र में भी यही प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

गृह विभाग ने जारी कर दी अधिसूचना- वहीं, भारत सरकार ने सभी राज्यों को आधार से भर्ती प्रक्रिया में सत्यापन की व्यवस्था लागू करने दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिसके बाद मध्य प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया में इस व्यवस्था को लागू करने के लिए गृह विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

बता दें कि प्रशिक्षु आईएएस पूजा खेड़कर के चयन में सामने आई गड़बड़ी के बाद केंद्र सरकार ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) में पंजीकरण, परीक्षाओं और भर्ती के विभिन्न चरणों के दौरान स्वैच्छिक आधार पर उम्मीदवारों की पहचान सत्यापित करने आधार से प्रमाणीकरण की व्यवस्था लागू कर दी।

ऐसी होगी व्यवस्था- मप्र में गैर राजपत्रित पदों पर व्यापम (कर्मचारी चयन मंडल) द्वारा भर्ती परीक्षा आयोजित की जाती है। इसके बाद संबंधित विभाग चयनित अभ्यर्थी का सत्यापन कर उनके भर्ती संबंधी दस्तावेजों का मैन्युअली जांच करता है। नई व्यवस्था होने से भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थी आधार तो सत्यापन होगा ही साथ ही चयन के बाद अभ्यर्थी का आधार से सत्यापन किया जाएगा। इससे गड़बड़ी की आशंका नहीं होगी।

वन विभाग की भर्ती प्रक्रिया में नहीं आधार सत्यापन की व्यवस्था- मध्य प्रदेश में गृह विभाग ने पुलिस भर्ती परीक्षा में आधार सत्यापन की व्यवस्था लागू की है, लेकिन वन विभाग की भर्ती प्रक्रिया में यह व्यवस्था नहीं है। हालांकि अब वन सहित अन्य विभागों में भी गैर राजपत्रित पदों पर भर्ती किए जाने वाले पदों पर आधार सत्यापन की व्यवस्था लागू करने की तैयारी है।

नगर परिषद दफ्तर में चली गोली

नौकरी से निकाला तो सीएमओ को मारने पहुंचा था ड्राइवर; 3 फायर किए, हाथापाई में निरीक्षक घायल

खंडवा (नप्र)। खंडवा जिले की हरसूद नगर परिषद के सीएमओ दफ्तर में सोमवार दोपहर साढ़े 12 बजे गोली चल गई। पिस्टल लेकर पहुंचे एक युवक ने सीएमओ (मुख्य नगरपालिका अधिकारी) के आते ही लगातार तीन राउंड फायर किए। बीच बचाव में एक राजस्व निरीक्षक को चोट आई है। पुलिस ने घटनास्थल से पिस्टल बरामद कर ली है।

किसी को गोली नहीं लगी

विशाल ने गोली चलानी शुरू की तो आवाज से नगर परिषद दफ्तर में हंगामा मच गया। गनीमत रही कि इस दौरान किसी भी अधिकारी और कर्मचारी को गोली नहीं लगी। विशाल के टारगेट पर सीएमओ मोनिका पारदी ही थीं। किस्मत से वह बाल-बाल बचीं। दफ्तर में मौजूद पार्षद इरशाद पठान, अर्जुन राजपूत, राहुल बोरासी और राजस्व निरीक्षक राकेश शर्मा ने बीच बचाव किया। इस दौरान राकेश शर्मा घायल हो गए, जिन्हें हरसूद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर, पिस्टल छोड़कर आरोपी भाग निकला। थाना प्रभारी अमित कोरी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आरोपी का नाम विशाल नामदेव है। विशाल सीएमओ मोनिका पारदी का ड्राइवर था। उसके खिलाफ कई लोगों ने शिकायत की थी। जिसके बाद सीएमओ ने उसे शोकॉज नोटिस दिया था। इसका जवाब उसने संतोषजनक नहीं दिया तो उसने नौकरी से निकाल दिया गया। इसी बात को लेकर वह सीएमओ से नाराज था।

सीएमओ बोली- टेबल के नीचे झुककर जान बचाई- सीएमओ मोनिका पारदी का कहना है कि उन्होंने टेबल के नीचे झुक कर जान बचाई। आरोपी ने दफ्तर में आते ही शुरुआती दो राउंड उनके ऊपर फायर किए। बीच-बचाव में उसने पिस्तौल राजस्व निरीक्षक राकेश शर्मा के चेहरे पर फेंक कर मार दी, जिससे कि वे घायल हो गए।

आरोपी के खिलाफ वित्तीय गड़बड़ी के मामले थे- सीएमओ मोनिका पारदी के मुताबिक, आरोपी विशाल नामदेव को लेकर कई शिकायतें थी। इनमें वित्तीय अनियमितता और कार्य में लापरवाही को लेकर उसे हटाया गया था। खासकर, वो अवैध रूप से टैंकर बेचने का काम करता था। ड्राइवर रहते हुए डीजल चोरी करता था। नगर परिषद के कर्मचारियों को भी धमकाता था।

माफीनामा देने पर नौकरी पर रखा, फिर भी 3 लाख का घोटाला किया

सीएमओ मोनिका का कहना है कि, विशाल नामदेव करीब 8 साल से ड्राइवर की नौकरी कर रहा था। वह पूर्व में भी वित्तीय अनियमितता के मामले में सस्पेंड हो चुका था। मेरे ज्वाइन करने के बाद उसने लिखित माफीनामा दिया। इसके बाद उसे बहाल किया था। लेकिन इस तरह की लापरवाही और अनियमितताएं वह लगातार करता रहा। मेरे द्वारा 8 से 10 बार नोटिस दिए गए थे। डीजल चोरी में ही उसने करीब 3 लाख रुपए का गबन किया था। 2 महीने पहले संविदा भर्ती नियम के तहत उसकी सेवा समाप्त की थी।

एसपी ने कहा- जानलेवा हमले की कोशिश, आरोपी गिरफ्तार

एसपी महेंद्र तरानेकर ने बताया कि नगर पालिका परिषद की सीएमओ पर जानलेवा हमला करने की कोशिश हुई है। घटनास्थल से पिस्टल और कारतूस बरामद किए गए हैं। आरोपी विशाल नामदेव को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भाजपा का सदस्यता अभियान का लाइव प्रसारण

प्रदेश कार्यालय में सीएम और वीडी शर्मा पार्टी पदाधिकारियों सहित मौजूद

भोपाल (नप्र)। भाजपा का सदस्यता अभियान आज से शुरु हो रहा है। दिल्ली में भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मौजूद हैं।

कुछ देर बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पार्टी की सदस्यता दिलाएंगे। भोपाल में भाजपा के प्रदेश कार्यालय में इसका लाइव प्रसारण सीएम डॉ मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ महेन्द्र सिंह पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ देख रहे हैं।

सीएम कैबिनेट मंत्रियों के साथ सदस्यता रिन्युअल कराएंगे- कल दोपहर दो बजे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव कैबिनेट मंत्रियों के साथ भाजपा की सदस्यता रिन्यु कराएंगे। मालूम हो कि हर 6 साल में भाजपा के हर पदाधिकारी प्रधानमंत्री से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता को अपनी सदस्यता रिन्यु करानी होती है। कोरोना के संकट के कारण यह सदस्यता अभियान करीब 4 साल देरी से शुरु हो रहा है। भोपाल में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने मीडिया से चर्चा में बताया- बीजेपी का देश के अंदर संगठन का पर्व आज से प्रारंभ हो रहा है। आज शाम को 5 बजे दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा दुनिया के सबसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदस्यता दिलाएंगे। पीएम के साथ ही लाखों कार्यकर्ता भी पार्टी का सदस्य बनेंगे। इसके साथ ही पार्टी सदस्यता का मिस्ड कॉल नंबर 8800002024 पर पहला मिस्ड कॉल प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष के उपस्थिति में होगा।

जहां मोबाइल नेटवर्क नहीं, वहां फार्म भराएंगे

वीडी शर्मा ने कहा- इसके अलावा हम लोग क्यू आर कोड और पार्टी ऑफिसियल वेबसाइट, नमो एप के माध्यम से भी सदस्यता करेंगे। जहां पर नेटवर्क नहीं है, वहां प्रत्यक्ष होकर फॉर्म के माध्यम से सदस्यता दिलाई जाएगी।

आज हर पदाधिकारी 100 लोगों को बनाएंगे सदस्य

भाजपा के प्रदेश कार्यालय में मैं कल 2 बजे प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव और उनकी पूरी कैबिनेट को पार्टी का सदस्यता दिलाउंगा। पार्टी के सदस्यता पर्व को लाइव प्रसारण के जरिए प्रधानमंत्री के सदस्यता ग्रहण को उत्सव की तरह मनाएंगे। इसके साथ ही हमारे पदाधिकारियों का प्रयास होगा कि आज कम से कम 100 नए लोगों को पार्टी का सदस्यता दिलाएं। सदस्यता कार्यक्रम के माध्यम से इस साल 10 करोड़ कार्यकर्ता बनाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही मध्य प्रदेश में 1.5 करोड़ नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है।

41 लाख डिजिटल वर्कर

वीडी शर्मा ने कहा- प्रदेश भर के 41 हजार डिजिटल कार्यकर्ता भाजपा की ताकत है। ये सभी मिलकर 64861 बूथों पर आज से अपनी भूमिका प्रारंभ करेंगे। बूथ सहायक से लेकर पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता 10-17 तारीख तक नए लोगों को पार्टी शामिल करवाएंगे। इसकी कार्यशाला भी हो चुकी है, जिसकी मॉनिटरिंग हम प्रतिदिन करते हैं। हम लोग करते है कि भारतीय जनता पार्टी केवल चुनावों की पार्टी नहीं। यह जिवंत ऑर्गनाइजेशन है। यह कैडर बेस ऑर्गनाइजेशन है। भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता मिलकर यह राष्ट्र ब्यापी सदस्यता अभियान को पूरा करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के भाई का गुना में एक्सीडेंट

पत्नी के साथ इंदौर से जा रहे थे ग्वालियर; गाय को बचाने में अनियंत्रित हुई कार

गुना (नप्र)। इंदौर से ग्वालियर जा रहे सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के बड़े भाई की कार का गुना में एक्सीडेंट हो गया। इसमें वह, उनकी पत्नी और ड्राइवर घायल हो गए। उन्हे शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हे इंदौर रैफर कर दिया गया है। तीनों खतरे से बाहर हैं।

मिली जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जितेन्द्र माहेश्वरी के बड़े भाई रवि माहेश्वरी अपनी पत्नी आशा देवी के साथ कार से इंदौर से मुरैना के जौरा की और वापस लौट रहे थे। तभी सोमवार को सुबह 8.40 बजे उनकी कार नेशनल हाइवे 46 पर गुना के भदौरा के पास गड्ढों और गायों के बचाने के फेर में उनकी कार अनियंत्रित हो गई, जिससे कार पलट गई।

इस कार में बैठे डॉक्टर रवि माहेश्वरी, उनकी पत्नी आशा देवी और कार चालक अमित शर्मा घायल हो गए। इसकी सूचना मिलते ही म्याना पुलिस थाने का स्टाफ और हाईवे की एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। इन तीनों को लाकर एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया, जहां रवि माहेश्वरी की हालत गंभीर है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के भाई के एक्सीडेंट की सूचना मिलते ही कलेक्टर डॉ सतेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक संजीव सिंहा समेत कई अफसर निजी अस्पताल पहुंचे और उनका हाल-चाल जाना और उचित इलाज करने के निर्देश दिए। इसके बाद इन घायलों को इंदौर रैफर कर दिया है।

रवि माहेश्वरी और उनकी पत्नी आशा देवी के घायल होने की खबर मिलते ही उनके परिवार के लोग सुबह साढ़े ग्यारह बजे करीब गुना आ गए। वहीं म्याना पुलिस ने कागजी कार्रवाई करने के बाद पलटी कार को सीधी कराई और अस्पताल पहुंचकर बयान दर्ज किए।

फिल्म 'इमरजेंसी' पर कंगना, सेंसर बोर्ड को हाईकोर्ट का नोटिस

केंद्र-राज्य सरकार को भी बनाया पार्टी, कोर्ट ने कहा- सिख कम्युनिटी की सेवा पर सवाल नहीं

जबलपुर (नप्र)। बॉलीवुड एक्ट्रेस और हिमाचल प्रदेश के मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी सांसद कंगना रनौत को मूवी 'इमरजेंसी' के लिए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने नोटिस जारी किया है। इसके अलावा, मणिकर्णिका प्रोडक्शन, केंद्र सरकार, राज्य सरकार, सेंसर बोर्ड समेत इससे जुड़े पक्षकारों भी नोटिस दिया गया है। शनिवार को सिख संगत जबलपुर और श्री गुरु सिंह सभा इंदौर ने जनहित याचिका दायर कर फिल्म पर बैन लगाने की मांग की। सोमवार को याचिका पर एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच सुनवाई हुई।

कोर्ट ने कहा - कोविड काल के दौरान हमने देखा है कि सिख कम्युनिटी ने आगे आकर सेवा की है। गुरुद्वारों में ऑक्सीजन से लेकर खाना उपलब्ध कराया है। सिख समुदाय की सेवा पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। इस मामले में मंगलवार को फिर सुनवाई होगी। फिल्म इमरजेंसी का डायरेक्शन और प्रोडक्शन कंगना ने ही किया है। फिल्म में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है।

याचिकाकर्ता का तर्क- सिख समुदाय की गलत छवि बनेगी

याचिकाकर्ता ने कोर्ट के सामने तर्क रखा कि फिल्म के ट्रेलर में सिख समुदाय को क्रूर दिखाया गया है। इससे सिख समुदाय की समाज में गलत छवि बनेगी। फिल्म में चार सिख हिंदुओं को गोली से भूनते दिखाए गए हैं। वे वी वांट खालिस्तान, सानू खालिस्तान चाहिए... यह सब कह रहे हैं। सिखों का रूप वीभत्स और खतरनाक बताया है, यह पूरी तरह से गलत है। दरअसल, इंदौर के सरदार मंजीत सिंह भाटिया और जबलपुर के सरदार मनोहर सिंह की ओर से याचिका दायर की गई थी। याचिका में हाईकोर्ट को बताया कि इस फिल्म को लेकर पूरे देश के सिख समाज के लोग दुखी हैं। यह भी मांग की गई है कि रिलीज से पहले इस फिल्म को इंदौर और जबलपुर के सिख पदाधिकारियों को दिखाई जाए।

भाजपा के पूर्व मंत्री ने भेजा लीगल नोटिस

भाजपा नेता हरेंद्रजीत सिंह बब्बू ने कंगना रनौत को शनिवार को लीगल नोटिस भेजा था। इसमें नसीहत दी कि वो सांसद की जिम्मेदारी निभाएं और पद की गरिमा भी बनाए रखें। बब्बू ने पीएम मोदी और सीएम डॉ. मोहन यादव से मांग की है कि कंगना की फिल्म इमरजेंसी की रिलीज पर रोक लगाई जाए। फिल्म में सिख समाज का गलत चित्रण किया गया है, जिससे देशभर में सिख समाज आक्रोशित है।

शुक्रवार को जबलपुर में हुआ था विरोध - प्रदर्शन

जबलपुर सिख संगत ने कंगना रनौत की फिल्म को विवादास्पद बताया था। शुक्रवार को सैकड़ों लोग रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए फिल्म पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भी पत्र लिखा है।

तेंदुए की पूंछ पकड़कर परेशान करते रहे लोग

● ओंकारेश्वर में खेत में घायल मिला था; इलाज के लिए इंदौर ले जाते समय मौत

खंडवा (नप्र)। खंडवा जिले के ओंकारेश्वर में घायल हालत में मिले तेंदुए की मौत हो गई। तेंदुआ सोमवार सुबह ओंकारेश्वर से पांच किलोमीटर दूर धाबड़िया गांव के पास खेत में घायल हालत में मिला था। इलाज के लिए इंदौर ले जाते समय उसने दम तोड़ दिया। पिछले चार दिन से इलाके में तेंदुए का मूवमेंट था।

तेंदुए का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें दिख रहा है कि वह ठीक से चल भी नहीं पा रहा है। कुछ लोग घायल तेंदुए को परेशान कर रहे हैं। उसकी पूंछ पकड़ रहे हैं। बार-बार उसके पास आते हैं और फिर हाथ लगाकर दूर भाग जाते हैं।

किसान को उसके खेत में बैठा दिखा तेंदुआ- तेंदुआ एक किसान को उसके खेत में बैठा नजर आया था। जिसके बाद उसने डायल 100 पर फोन लगाकर सूचना दी। किसान की सूचना पर दोपहर में मांधाता पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद वन विभाग के डिप्टी रेंजर और कर्मचारी भी पहुंचे। वन विभाग की टीम ने उसे उठाकर वाहन में रखा और फिर उसे इलाज के लिए इंदौर रेफर किया।

इलाके में 4-5 दिनों से तेंदुए का मूवमेंट था- ग्रामीणों ने बताया कि इलाके में 4-5 दिनों से तेंदुए का मूवमेंट था। तेंदुए ने दो दिन पहले एक बकरी का शिकार भी किया था। बताया जा रहा है कि इसकी सूचना वन विभाग को दी गई थी। लेकिन वन अमले ने समय रहते तेंदुए का रेस्क्यू नहीं किया। अधिकारियों ने तो तेंदुए के मूवमेंट की बात से ही इनकार कर दिया था।तेंदुआ ओंकारेश्वर से पांच किलोमीटर दूर घायल हालत में मिला था। वह चल भी नहीं पा रहा था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आएगा मौत का कारण- ओंकारेश्वर के रेंजर रवि सेठ ने बताया- तेंदुआ की ऐसी स्थिति थी कि उसे ट्रैंकुलाइज करने की जरूरत नहीं पड़ी। हमारी टीम ने उसे सामान्य तरीके से रेस्क्यू कर पिंजरे में रख दिया। तेंदुए को इलाज के लिए इंदौर ले जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में ही मौत हो गई। तेंदुए पर किसी ने हमला नहीं किया है। मौत के कारण खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से ही हो सकेगा। घायल तेंदुआ मिलने की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू किया।

सीसीटीवी फुटेज में घूमते दिखा तेंदुआ- तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में कुछ होटल वाले ने सीसीटीवी फुटेज दिखाए थे। इसमें तेंदुआ घूमते नजर आया था। दो दिन पहले यानी शनिवार को तेंदुए ने ओंकारेश्वर के बाहर बकरी का शिकार भी किया था।